सारंग

शिक्षक दिग्दर्शिका

FALCON

1–8

संस्कृत–1

1. वर्णमाला

1. **(क)** अजा 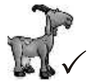 ✓ **(ख)** ईशः 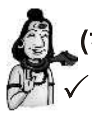 ✓ **(ग)** अण्डजः 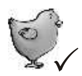 ✓
2. आम्रम्, उलूकः, ऋक्षः, एडका
3. बकरी, आम, चंद्रमा, चूजा, दवाई, रसोइया
4. **(क)** (ii), **(ख)** (i), **(ग)** (iv), **(घ)** (iii)

2. व्यञ्जन वर्णाः

1. कमलम् ✓ रजकः ✓
   टङ्किका 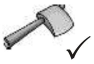 ✓ भल्लूकः ✓
2. खगः, मर्कटः, फलम्, मयूरः, थः, ढौकनम्
3. **(क)** क ख ग घ ङ
   (ख) च छ ज झ ञ
   (ग) य र ल व
   (घ) श ष स ह
   (ङ) क्ष त्र ज्ञ श्र

3. मात्रा ज्ञानम्

1. **(क)** ा, **(ख)** ि **(ग)** ी **(घ)** ो **(ङ)** ं
2. जलधिः, जलधिः, वृषभः, ईली, रसोनः, आम्रम्, शुकः
3. 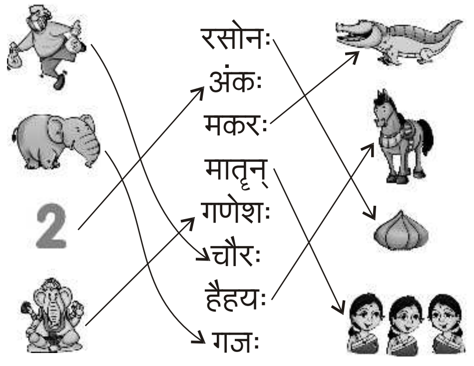

4. लिङ्ग ज्ञानम्

1. स्त्रीलिङ्गम्, नपुंसकलिङ्गम्, स्त्रीलिङ्गम्
2. **(क)** (iv), **(ख)** (vi), **(ग)** (i), **(घ)** (ii) **(ङ)** (vii), **(च)** (iii), **(छ)** (v)

5. वचनं पुरुषः च

1. अश्वः अश्वौ अश्वाः
   बालिका बालिके बालिकाः
   नरः नरौ नराः
   ललना ललने ललनाः
   पर्णम् पर्णे पर्णानि
2. **(क)** उभयलिङ्गम् एकवचनम् **(ख)** उभयलिङ्गम् एकवचनम्
   (ग) स्त्रीलिङ्गम् एकवचनम् **(घ)** नपुंसकलिङ्गम् एकवचनम्
   (ङ) स्त्रीलिङ्गम् एकवचनम् **(च)** पुंल्लिङ्गम् एकवचनम्

6. क्रिया परिचयः

1. मोनू धावति। साक्षी गायति। बालिका नृत्यति। सोनू पाठं पठति। गजः शनैः शनैः चलति। चटका उड्डयति।

7. मम शरीरम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

8. मम सम्बन्धिनः

1. पितामहः, जनकः, जननी, पितृव्यः, भ्राता, सुता
2. **(क)** पितामहः **(ख)** जनकः **(ग)** पितामही **(घ)** मातुलानी **(ङ)** जननी **(च)** भगिनी

9. पशवः पक्षिणः च

1. पालितः, वन्यः, वन्यः, पालितः
2. श्रृगालः, गजः, शशकः, शूकरः
3. मृगः, मयूरः, कुक्कुटः, बकः
4. शुकः कुक्कुरः कोकिलः महिषी

अश्वः लोमशिका काकः सिंहः

10. गृहस्य वस्तूनि

1. पात्राणि, आसन्दिका, फलकः, मञ्जूषा
   खट्वा, डल्लकम्, सूचिका, कुर्चिका
   ऊहनी, छुरिका, फेनिलम्, आदर्शकः
2. **(क)** सूईं **(ख)** झाडू **(ग)** दाँतों का ब्रश **(घ)** घड़ी **(ङ)** खाट **(च)** चटाई **(छ)** घड़ा **(ज)** छाता

11. अस्माकं सहायकाः

1. काष्ठकारः, मालाकारः, कृषकः, शिक्षकः, पत्रवाहकः, चर्मकारः, नापितः, गोपालकः, रजकः
2. **(क)** धोबी–कपड़े धोना **(ख)** बढ़ई–लकड़ी का सामान बनाना **(ग)** किसान–खेतों में अन्नादि उगाना **(घ)** कुम्हार–मिट्टी के बर्तन बनाना

12. संख्याबोधक शब्दाः

1. **(क)** एक **(ख)** आठ **(ग)** दो **(घ)** पाँच **(ङ)** तीन **(च)** नौ **(छ)** चार **(ज)** छह
2. **(क)** सप्त **(ख)** दश **(ग)** षट् **(घ)** चत्वारः **(ङ)** द्वे **(च)** एकः **(छ)** त्रयः **(ज)** पञ्च
3. अष्ट, षट्, चत्वारः, सप्त, त्रयः, पञ्च

संस्कृत–2

1. वन्दनम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. संज्ञा शब्द-अकारान्त पुंल्लिङ्गम् (एकवचनम्)

1. कपोतः, उलूकः, छात्रः, नृपः
2. **(क)** (iv), **(ख)** (iii), **(ग)** (v), **(घ)** (i) **(ङ)** (ii)

3. अकारान्त पुंल्लिङ्ग शब्दानां प्रयोगः (एकवचनम्)

1. **(क)** कः ; अयं काकः **(ख)** कः ; राकेशः **(ग)** सः ; कृष्णः **(घ)** एषः ; मृगः **(ङ)** कः ; वृषभः **(च)** कः ; एषः वृक्षः
2. **(क)** सः **(ख)** एषः **(ग)** कः **(घ)** अस्तिः **(ङ)** वृषभः **(च)** राकेशः **(छ)** मृगः **(ज)** अश्वः **(झ)** कृष्णः **(ञ)** वृक्षः

4. संज्ञा शब्द : आकारान्त स्त्रीलिङ्गम् (एकवचनम्)

1. **(क)** सूचिका **(ख)** ऊर्मिका **(ग)** नौका **(घ)** सारिका **(ङ)** छुरिका **(च)** लोमशिका
2. कन्या, अजा, सूचिका, लूता, सारिका, ऊर्मिका
3. अजा ✓ छुरी ✓

5. आकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दानां प्रयोगः (एकवचनम्)

1. **(क)** नौका **(ख)** सूचिका **(ग)** कन्या **(घ)** लोमशिका
2. **(क)** यह कौन है? **(ख)** यह लड़की है। **(ग)** वह अंगूठी है।
3. **(क)** नौका **(ख)** लोमशिका **(ग)** कन्या **(घ)** सूचिका

6. संज्ञा शब्दः आकारान्त नपुंसकलिङ्गम् (एकवचनम्)

1. द्राक्षाफलम्, आभूषणम्, वायुयानम्, गृहम्
2. (क) कन्दुकम् (ख) पात्रम् (ग) पुस्तकम्
3. **(क)** (iii), **(ख)** (iv), **(ग)** (i), **(घ)** (ii)

7. अकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्दानां प्रयोगः (एकवचनम्)

1. **(क)** किम् ; पत्रम् (ख) किम् ; फलम् **(ग)** किम् ; औषधम् **(घ)** तत् ; बसयानम्
2. **(क)** तत् **(ख)** एतत् **(ग)** किम् **(घ)** बसयानम् **(ङ)** नेत्रम् **(च)** पत्रम् **(छ)** फलम् **(ज)** औषधम् **(झ)** कमलम् **(ञ)** क्रीडनकम्
3. **(क)** तत् बसयानम् अस्ति। **(ख)** तत् किम् अस्ति? **(ग)** एतत् पत्रम् अस्ति। **(घ)** एतत् किम् अस्ति।

8. वचनबोधम्

1. **(क)** बालकः **(ख)** बालिके **(ग)** पात्राणि
2. बालकौ, कन्दुकानि, अश्वः, मत्स्याः, पात्रम्, बालिके
3. **(क)** बहुवचनम्–पुंल्लिङ्गम् **(ख)** द्विवचनम्–नपुंसकलिङ्गम् **(ग)** द्विवचनम्–पुंल्लिङ्गम् **(घ)** एकवचनम्–स्त्रीलिङ्गम् **(ङ)** द्विवचनम् नपुंसकलिङ्गम्

9. सर्वनाम शब्द (प्रथम पुरुषः)

1. **(क)** (i), **(ख)** (ii), **(ग)** (ii)
2. **(क)** एषः एषा एतत् **(ख)** सः सा तत्
3. **(क)** एषा **(ख)** एषः **(ग)** एतत् **(घ)** एतत् **(ङ)** एषः **(च)** एषा
4. **(क)** सः **(ख)** सा **(ग)** सा **(घ)** तत् **(ङ)** सा **(च)** सः
5. **(क)** एते बालिके लिखतः। **(ख)** एतानि पुस्तकानि सन्ति। **(ग)** एषः रामः अस्ति।

10. सर्वनाम शब्द (मध्यम पुरुषः, उत्तम पुरुषः)

1. **(क)** अहं **(ख)** आवां **(ग)** आवां **(घ)** वयं **(ङ)** वयं **(च)** अहं
2. **(क)** अहं क्रीडामि। **(ख)** आवां स्वपावः। **(ग)** वयं जलं पिबामः। **(घ)** आवां कूर्दावः। **(ङ)** वयं पठामः।
3. अहं आवां अहं आवां

11. क्रियापदानां परिचयः

1. **(क)** क्रीड् **(ख)** हस् **(ग)** पत् **(घ)** कूर्द् **(ङ)** पठ् **(च)** धाव् **(छ)** चल् **(ज)** गम्, गच्छ्
2. एकवचनम्–धावति लिखति नमति अस्ति

   द्विवचनम्–पठतः रूदतः हसतः पिबतः

   बहुवचनम्–रक्षन्ति कर्षन्ति गच्छन्ति खादन्ति

12. क्रिया शब्दों का वाक्यों में प्रयोग

1. एषः–यह, एषा–यह, एतत्–यह, चिकित्सकः–चिकित्सक; डॉक्टर, फले–दो फल, सः–वह, कूर्दति–कूदता है,

तत्–वह, पततः–दो गिरते हैं

2. **(क)** सः **(ख)** ते **(ग)** आवां **(घ)** यूयं **(ङ)** युवां

3. **(क)** खाद्–खादसि खादथः खादथ
(ख) पठ्–पठसि पठथः पठथ
(ग) लिख्–लिखसि लिखथः लिखथ
(घ) गम्–गच्छसि गच्छथः गच्छथ

13. उपदेशः

1. बालकौ क्रीडतः। बालिके नृत्यतः।
कन्या विद्यालयं गच्छति। जनः भिक्षां ददाति।

14. संख्याबोधक शब्दाः

1. **(क)** बारह **(ख)** बीस **(ग)** सत्ताईस **(घ)** तीस **(ङ)** तैंतीस **(च)** उनतालीस **(छ)** बयालीस **(ज)** छब्बीस

2. आठ, सत्ताईस, ग्यारह, अड़तीस, तेरह, बयालीस, चौबीस, पचास, अट्ठाईस, उनचास

संस्कृत–3

1. वन्दना

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. कर्ता कारकम्

1. **(क)** (i), **(ख)** (ii), **(ग)** (iii)

2. **(क)** चतुरः **(ख)** एषा **(ग)** रमणीयम् **(घ)** कमलानि

3. **(क)** ✓ **(ख)** × **(ग)** × **(घ)** ✓

4. **(क)** चतुरः–शशकः **(ख)** स्वच्छं–गङ्गाजलम्
(ग) रमणीयं–उपवनम् **(घ)** मनोहराणि–पुष्पाणि

5. **(क)** शशकः वने निवसति। **(ख)** वृक्षेषु खगाः निवसन्ति। **(ग)** लतासु अनेकानि पुष्पाणि सन्ति।

भाषा-बोध

1. **(क)** गच्छतः गच्छन्ति **(ख)** खादतः खादन्ति **(ग)** पठतः पठन्ति **(घ)** हसतः हसन्ति **(ङ)** लिखतः लिखन्ति **(च)** धावतः धावन्ति

2. **(क)** खरगोश **(ख)** चतुर **(ग)** नगर में **(घ)** भी **(ङ)** लताओं पर **(च)** यहाँ **(छ)** हम दोनों **(ज)** तुम सब

3. कर्म कारकम्

1. **(क)** कदलीफलम् **(ख)** श्लोकान् **(ग)** मां **(घ)** सत्यं

2. **(क)** आम्राणि **(ख)** कदलीफलानि **(ग)** पुस्तकानि **(घ)** युष्मान्

3. **(क)** बालकौ कदलीफले खादतः। **(ख)** अहं विद्यालयं प्रातः सप्तवादने गच्छामि। **(ग)** बालकः सत्यं वदिष्यति। **(घ)** बालकाः सत्यं वदिष्यन्ति।

भाषा-बोध

(क) लड़का (ख) तुम **(ग)** वे सब **(घ)** खाते हैं **(ङ)** तुम दोनों **(च)** आम **(छ)** दो आम **(ज)** (दो) खाते हैं

4. करण कारकम्

1. **(क)** मुखेन **(ख)** पादाभ्याम् **(ग)** पादैः **(घ)** खड्गेन

2. **(क)** नेत्राभ्यां **(ख)** मुखेन **(ग)** स्कन्धाभ्यां **(घ)** पादेन **(ङ)** पुत्राः

3. **(क)** बालकः मुखेन खादति। **(ख)** मृगः पादैः चलति। **(ग)** शिवः हस्ताभ्यां पुष्पैः शिवम् अर्चयति। **(घ)** सैनिकः खड्गेन रक्षति।

भाषा-बोध

1. **(क)** छात्रेण छात्राभ्याम छात्रैः **(ख)** लतया लताभ्याम् लताभिः **(ग)** वृक्षेण वृक्षाभ्याम् वृक्षैः **(घ)** फलेन फलाभ्याम् फलैः **(ङ)** शिवेन शिवाभ्याम् शिवैः

2. **(क)** बालकः कैः सह क्रीडति? **(ख)** मनोजः केंन काणः अस्ति? **(ग)** छात्रः केन लिखति? **(घ)** वयं काभ्यां कार्यं कुर्मः? **(ङ)** ते केन विदेशं गच्छन्ति? **(च)** छात्राः कया विनम्राः भवन्ति?

3. **(क)** फेनिलेन **(ख)** शिक्षया **(ग)** बाणेन **(घ)** हलेन

4. **(क)** मोहनः कलमेन लिखति। **(ख)** रजकः फेनिलेन वस्त्राणि क्षालयति। **(ग)** जनाः विमानेन विदेशं गच्छन्ति। **(घ)** माता छुरिकया फलं कृन्तति। **(ङ)** बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति।

5. सम्प्रदान कारकम्

1. **(क)** देशाय **(ख)** पुत्रेभ्य **(ग)** जनेभ्य **(घ)** ज्ञानाय

2. **(क)** अन्नाभ **(ख)** जलाय **(ग)** देशाय **(घ)** शिक्षायै **(ङ)** नाशाय

3. **(क)** ✓ **(ख)** ✓ **(ग)** × **(घ)** ✓ **(ङ)** ×

4. **(क)** शिक्षकः छात्राभ्यां पुस्तकम् आनयति। **(ख)** गृहं नाशाय भवति। **(ग)** वृक्षाः जनेभ्यः फलानि यच्छन्ति। **(घ)** शिक्षकः छात्रेभ्य ज्ञानं ददाति।

भाषा-बोध

1. **(क)** मालाकारः देवेभ्यः मालाः रचयति। **(ख)** देवाय नमः। **(ग)** जनः कार्याय कार्यालयं गच्छति। **(घ)** नृपः याचकाभ्यां यच्छति। **(ङ)** जनकः पुत्राय क्रुध्यति।

2. **(क)** माता याचकाय भोजनं ददाति। **(ख)** गणेशाय नमः। **(ग)** वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति। **(घ)** विद्यायै सदा प्रयासं

कुरूत। **(ङ)** सूर्यः प्रकाशाय उदेति।

6. अपादान कारकम्

1. **(क)** ग्रामात् **(ख)** वृक्षात् **(ग)** हिमालयात् **(घ)** गङ्गातटे
2. **(क)** ग्रामात् (ख) अध्ययनं **(ग)** बसयानेन **(घ)** गङ्गाजलं
3. **(क)** ग्रामात् विकासः आगच्छति। **(ख)** विकासः बसयानात् अवतरति। **(ग)** विकासः आपणात् पुस्तकादीनि आनयति। **(घ)** विकासः ग्रामे वसति।

भाषा-बोध

1. **(क)** ग्रामात् **(ख)** गृहात् **(ग)** विद्यालयात् **(घ)** हिमालयात्
2. **(क)** रामाभ्याम् रामेभ्यः **(ख)** ग्रामाभ्याम् ग्रामेभ्यः **(ग)** नगराभ्याम् नगरेभ्यः **(घ)** वृक्षाभ्याम् वृक्षेभ्यः **(ङ)** आपणाभ्याम् आपणेभ्यः
3. **(क)** मम मित्रं ग्रामात् आगच्छति। **(ख)** अहम् आपणात् वस्तूनि आनयामि। **(ग)** वानरः वृक्षात् अवतरति। **(घ)** लता गृहात् विद्यालयं गच्छति। **(ङ)** लतायाः पुष्पाणि पतन्ति।

7. सम्बन्ध कारकम्

1. **(क)** उद्यानम् **(ख)** पुष्पाणि **(ग)** मालाकारः **(घ)** छात्राः **(ङ)** आचार्यः
2. **(क)** रामस्य **(ख)** वातावरणः **(ग)** वृक्षाः **(घ)** नीरोगाय
3. **(क)** (ii), **(ख)** (iii), **(ग)** (iv), **(घ)** (i)
4. **(क)** उद्यानं रामस्य अस्ति। **(ख)** वर्षाकालस्य उत्सवाः अस्मिन्नेव उद्याने भवन्ति। **(ग)** वृक्षाः जनानां महत-उपकारं कुर्वन्ति। **(घ)** उद्यानस्य मध्ये पुष्पाणि विकसन्ति।

भाषा-बोध

1. **(क)** इदं मम मित्रस्य उपवनम् अस्ति। **(ख)** जनाः अत्र पर्यटनाय आगच्छन्ति। **(ग)** अहम् अत्र आगत्य व्यायामादिकं करोमि। **(घ)** व्यायामं कृत्वा पुनः गृहं गच्छामि।
2. **(क)** षष्ठी, एकवचनम् **(ख)** द्वितीया, बहुवचनम् **(ग)** चतुर्थी, एकवचनम् **(घ)** षष्ठी, बहुवचनम्
3. **(क)** यह राम का बगीचा है। **(ख)** बगीचे की सुंदरता बहुत रमणीय और अवर्णनीय है। **(ग)** विद्यालय के छात्र भी प्रतिवर्ष घूमने के लिए आते हैं। **(घ)** हम वृक्षों को लगाकर प्रकृति के सौंदर्य में वृद्धि करें।

8. अधिकरण कारकम्

1. **(क)** जन्मभूमिः **(ख)** ग्रामाः **(ग)** ग्रामाः **(घ)** श्रमिकाः **(ङ)** क्षेत्रेषु
2. **(क)** वृक्षाः **(ख)** कमलानि **(ग)** क्षेत्रेषु (घ) फलानि
3. **(क)** ग्रामेषु मुख्यतः कृषकाः वसन्ति। **(ख)** नगरेषु मुख्यतः धनिकाः वसन्ति। **(ग)** सरोवरः वने अस्ति। **(घ)** 'भारतम्' इति मम देशस्य नाम।

भाषा-बोध

1. **(क)** भारतदेशः अस्माकं जन्मभूमिः अस्ति। **(ख)** भारतीयेषु कृषकाः प्रमुखाः सन्ति। **(ग)** वृक्षेषु खगाः पुष्पेषु च भ्रमराः तिष्ठन्ति। **(घ)** जले कमलम् अस्ति। **(ङ)** छात्राः पुस्तकेषु चित्राणि पश्यन्ति।
2. जनयोः जनेषु — वनयोः वनेषु
   कपोतयोः कपोतेषु — वृक्षयोः वृक्षेषु
   कूपयोः कूपेषु — ग्रामयोः ग्रामेषु

9. सम्बोधनम्

1. **(क)** त्वाम् **(ख)** आर्यावर्तः **(ग)** दिशायाम् **(घ)** कालांशः
2. **(क)** हे शुक! **(ख)** हे सूर्य! **(ग)** हे अध्यापिके! **(घ)** हे छात्रे! **(ङ)** हे अम्बे! **(च)** हे मयूर!
3. **(क)** भारतस्य पवित्रतमा नदी 'भागीरथी' इति। **(ख)** अस्माकं देशस्य उत्तरदिशायां पर्वतराजः हिमालयः वर्तते। **(ग)** भारतवर्षं पुरा 'आर्यावर्तः' इति कथ्यते स्म। **(घ)** 'रत्नाकरः' भारतस्य दक्षिणदिशायां वर्तते। **(ङ)** भारतस्य प्राचीनतमा मधुरतमा भाषा 'संस्कृतम्' इति।

10. विद्यायाः महत्त्वं

1. **(क)** शत्रुः **(ख)** शोभते **(ग)** त्यजेद् **(घ)** विद्वान्
2. **(क)** माता शत्रुः पिता बैरी, येन बालो पठिताः।
   न शोभते सभा मध्ये, हंस मध्ये बको यथा।
   (ख) कोकिलानां स्वरो रूपं नारी रूपं पतिव्रतम्।
   (ग) विद्या रूपं कुरूपाणाम्। क्षमा रूपं तपस्विनाम्।।
3. **(क)** माता पिता बैरी येन बालो न पाठितः। **(ख)** राजा स्वदेशे पूज्यते। **(ग)** कुरूपाणां रूपं विद्या। **(घ)** विद्यार्थी सुख त्यजेद्।

भाषा-बोध

1. **(क)** सुखार्थिनः कुतो विद्या। **(ख)** विद्वांसः सर्वत्र पूज्यन्ते। **(ग)** कोकिलायाः रूपं स्वरेण ज्ञायते। **(घ)** तपस्विनः रूपं क्षमया ज्ञायते।
2. **(क)** वह विद्वानों की सभा के मध्य वैसे ही शोभा नहीं पाता है- जैसे हंसों के मध्य बगुला **(ख)** सुख चाहने वाला विद्या छोड़ दे। **(ग)** राजा स्वदेश में पूजा जाता है। **(घ)** कुरूपों का रूप विद्या है।

11. अस्माकं संस्कृतिः

1. **(क)** गतिशीला **(ख)** पर्यटकाः **(ग)** भावनाम्
2. **(क)** संस्कृतिः **(ख)** श्रमस्य **(ग)** नगरी **(घ)** भारतीयाः। **(ङ)** अस्याः **(च)** निजस्य श्रमस्य फलम् भोग्यम्।
3. **(क)** × **(ख)** ✓ **(ग)** × **(घ)** × **(ङ)** ✓ **(च)** ×
4. **(क)** अस्माकं संस्कृति गतिशीला अस्ति। **(ख)** पूर्व कर्म, तदनन्तरं फलम् इति अस्माकं संस्कृतेः नियमः। **(ग)** वाराणसी नगरी धार्मिका नगरी अस्ति। **(घ)** एषा संस्कृति भारतदेशस्य अस्ति।

भाषा-बोध

(क) हमारी संस्कृति सदा गतिशील है। **(ख)** पहले कार्य उसके बाद फल। **(ग)** यहाँ अनेक पर्यटक आते हैं और ज्ञान बढ़ाते हैं। **(घ)** वाराणसी धार्मिक नगरी है।

12. मूर्ख वानरः

1. **(क)** वटः **(ख)** वानरः **(ग)** खगाः
2. **(क)** वटवृक्षः **(ख)** कम्पितः **(ग)** गृहस्य **(घ)** खगाः **(ङ)** अण्डानि
3. **(क)** वटवृक्षः यमुनातीरे आसीत्। **(ख)** वानरः वृक्षतले वसति स्म। **(ग)** वृष्टिजलेन आर्द्रो भूय शीतेन कम्पते स्म वानरः। **(घ)** वानरं खगाः निन्दन्ति स्म। **(ङ)** उपदेशः मूर्खाणां प्रकोपाय भवति।

भाषा-बोध

1. **(क)** तत्र तत्र एकः वानरः अपि वसति स्म। **(ख)** अपि अहो! एते खगाः अपि मां निन्दन्ति। **(ग)** वानरः वानरः एतत् श्रुत्वा क्रुद्धोऽभवत्। **(घ)** वृक्षः वने एकः वटस्य वृक्षः आसीत्।
3. **(क)** यमुना के किनारे एक बरगद का पेड़ था। **(ख)** एक बार बंदर बारिश के जल से बहुत ही गीला हो गया। **(ग)** ये तुच्छ पक्षी मुझे भला-बुरा कह रहे हैं। **(घ)** उसने उनके घोंसले नीचे गिरा दिए। **(ङ)** मूर्ख को उपदेश नहीं देना चाहिए।

संस्कृत–4

1. वन्दना

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. मम विद्यालयः

1. **(क)** विद्यालयः **(ख)** पुस्तकालयः **(ग)** व्यायामम् **(घ)** उपवनम्
2. **(क)** विद्यालयं **(ख)** विशालम् **(ग)** क्रीडाक्षेत्रे **(घ)** योग्याः **(ङ)** स्नेहेन
3. **(क)** विद्यालयं परितः वृक्षाः सन्ति। **(ख)** पुस्तकालये विविधानां विषयाणां पुस्तकानि सन्ति। **(ग)** छात्राः क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति। **(घ)** विद्यालये सहदाां छात्राः सन्ति। **(ङ)** छात्राः विज्ञानास्य प्रयोगाः विज्ञानप्रयोगशालायां कुर्वन्ति।

भाषा-बोध

1. **(क)** परितः मन्दिरं परितः लघुदीर्घाः विविधाः वृक्षाः सन्ति। **(ख)** अत्र अत्र एकः सरोवरः अपि अस्तिः **(ग)** तूष्णीम् देवालये रूर्वे जनाः तूष्णीं तिष्ठन्ति। **(घ)** च भक्ताः पूजकः च श्रद्धया प्रभुं स्मरन्ति।
2. **(क)** (बहुवचने) छात्राः विद्यालये पठन्ति। **(ख)** (एकवचने) शिक्षकः योग्यः अस्ति। **(ग)** (द्विवचने) छात्रौ तूष्णीं तिष्ठतः। **(घ)** (द्विवचने) विद्यालयं परितः वृक्षौ स्तः। **(ङ)** (बहुवचने) छात्राः विज्ञानस्य प्रयोगान् कुर्वन्ति।
3. **(क)** विद्यालय का भवन विशाल है। **(ख)** पुस्तकालय में छात्र चुपचाप बैठते हैं। **(ग)** व्यायाम शिक्षक योग का अभ्यास कराते हैं।

3. चतुरः काकः

1. **(क)** काकः **(ख)** घटम् **(ग)** जलम् **(घ)** आलस्यम्
2. **(क)** वने **(ख)** जलाय **(ग)** अपश्यत्। **(घ)** दूरात् **(ङ)** परिश्रमेण **(च)** सर्वेभ्यः
3. **(क)** काकः वने निवसति स्म। **(ख)** काकः पिपासया व्याकुलः अभवत्। **(ग)** सः घटम् अपश्यत्। **(घ)** सः घटे प्रस्तरखण्डानि अक्षिपत्। **(ङ)** काकः स्व परिश्रमेण सफलः अभवत्। **(च)** अस्माभिः परिश्रमं करणीयं स्यात्।

भाषा-बोध

1. **(क)** एकस्मिन् **(ख)** पिपासया **(ग)** समीपम् **(घ)** शीघ्रमेव **(ङ)** समर्थः **(च)** दूरात् **(छ)** क्रमेण **(ज)** पीत्वा **(झ)** पानाय **(ञ)** करणीयम्
2. **(क)** वह प्यास से बेचैन हो गया। **(ख)** कौआ उसके पास गया। **(ग)** कौए ने जल पीया। **(घ)** जल पीकर वह संतुष्ट होता है। **(ङ)** सभी को परिश्रम करना चाहिए।

4. असत्यस्य परिणामः

1. **(क)** घनश्यामः **(ख)** उक्त सर्वे **(ग)** सिंहः **(घ)** लज्जिताः
2. **(क)** गोपालकः **(ख)** घनश्यामः **(ग)** पशून् **(घ)** मुहुर्मुहुः **(ङ)** सिंहः
3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i) (ङ) (ii)
4. **(क)** गोपालकस्य नाम घनश्यामः आसीत्। **(ख)** वने पशुपक्षिणः, व्याघ्राः, सिंहादयश्च हिंसकाः पशवः वसन्ति

स्म। **(ग)** सिंहे आगते गोपालकः स्व रक्षणाय उच्चैः शब्दम् अकरोत्। **(घ)** सिंहः घनश्यामं कृतवान्।

भाषा-बोध

1. **(क)** था **(ख)** गाँव में **(ग)** बहुत-से पशु **(घ)** सोचा **(ङ)** देखकर **(च)** लेकर
2. **(क)** अनयताम् अनयन् **(ख)** अनयः अनयत **(ग)** अनयाव
3. **(क)** सप्तमी एकवचनम् **(ख)** षष्ठी एकवचनम् **(ग)** प्रथमा बहुवचनम् **(घ)** पञ्चमी एकवचनम् **(ङ)** षष्ठी एकवचनम् **(च)** पञ्चमी एकवचनम्

5. गोदुग्धम्

1. **(क)** गोदुग्धम् **(ख)** दधि **(ग)** दधि **(घ)** अमृतम्
2. **(क)** आहारंम **(ख)** दधि **(ग)** तक्रम् **(घ)** विषं **(ङ)** घृतं
3. **(क)** आहारेषु गोदुग्धं बुद्धिवर्धकम् अस्ति। **(ख)** दधि रात्रौ न भोक्तव्यम्। **(ग)** पाण्डुरोगे तक्रं हितकरम्। **(घ)** अतिमात्रायां गृहीतम् आहारं विषं भवति।

भाषा-बोध

1. **(क)** बहुवचनम् उत्तमः **(ख)** एकवचनम् प्रथमः **(ग)** एकवचनम् प्रथमः **(घ)** एकवचनम् प्रथमः **(ङ)** एकवचनम् प्रथमः
2. **(क)** सप्तमी बहुवचनम् **(ख)** सप्तमी एकवचनम् **(ग)** प्रथमा, द्वितीया एकवचनम् **(घ)** तृतीया एकवचनम्

6. सुभाषितानि

1. **(क)** वृद्धोपसेविनः **(ख)** वसन्तसमये **(ग)** पुराणेषु **(घ)** पालियतेः
2. **(क)** अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।

   चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्यायशोबलम्।।

   (ख) काक कृष्णः पिकः कृष्णः, को भेदः पिककाकयोः।

   वसन्तसमये आगते काकः काकः पिकः पिकः।।

   (ग) तुष्यन्ति भोजने विप्राः मयूराः घनगर्जने।

   साधवः परसम्पत्तौ, खला परविपत्तिषु।।
3. **(क)** देशाय **(ख)** कल्याणम् **(ग)** लोके **(घ)** पीडितानाम्
4. **(क)** कौआ काला, कोयल काली, कौए-कोयल में क्या भेद है? वसंत ऋतु के आने पर कौआ, कौआ होता है और कोयल, कोयल।

   (ख) जन्म देने वाले (उत्पत्ति कर्ता) ब्रह्मा, पालन करने वाले विष्णु और संसार के संहारकर्ता शिवजी को नमस्कार है।

भाषा-बोध

1. **(क)** ज्ञानं दानाय भवति। **(ख)** सूर्याय नमः। **(ग)** सुधीरः गवे कदलीफलं ददाति। **(घ)** वीरेभ्यो नमः। **(ङ)** खलाः परविपत्तिषु मोदन्ते।
2. **(क)** प्रथम पुरुषः एकवचनम् **(ख)** प्रथम पुरुषः एकवचनम् **(ग)** प्रथम पुरुषः बहुवचनम् **(घ)** प्रथम पुरुषः एकवचनम्
3. **(क)** प्रथमा **(ख)** चतुर्थी **(ग)** सप्तमी **(घ)** प्रथमा **(ङ)** पिकः प्रथमा **(च)** प्रथमा **(छ)** षष्ठी

7. यक्ष-युधिष्ठिर सम्वादः

1. **(क)** धैर्यः **(ख)** दानम् **(ग)** आरोग्यः **(घ)** सज्जनेन
2. **(क)** किं **(ख)** कस्य **(ग)** कस्मात् **(घ)** कुत्र **(ङ)** कस्मिन् **(च)** काभ्यां **(छ)** कदा **(ज)** केन
3. **(क)** यथा **(ख)** च **(ग)** एव **(घ)** न **(ङ)** मा
4. **(क)** धैर्यः। **(ख)** माता। **(ग)** क्रोधस्य। **(घ)** सज्जनेन।

भाषा-बोध

1. **(क)** किं यशः एकमात्रं साधनम् अस्ति? **(ख)** कस्य लुप्ते दुःखं न भवति? **(ग)** का लोके सर्वश्रेष्ठा अस्ति? **(घ)** केन सह मित्रता भवेत्? **(ङ)** माता कस्मै दुग्धं यच्छति? **(च)** सः कुत्र निवसति? **(छ)** कस्मात् विना जीवनं निरर्थकं भवति? **(ज)** माता! कस्मै मोदकं रोचते?
2. (क) (vii), (ख) (viii), (ग) (i), (घ) (ii) (ङ) (iii), (च) (iv), (छ) (vi), (ज) (v)

8. महात्मा गांधीः

1. **(क)** गुजरातराज्ये **(ख)** करमचन्दः **(ग)** आंग्लशासकाः **(घ)** नाथूरामगोडसे
2. **(क)** राष्ट्रपिता **(ख)** प्राथमिकी **(ग)** कारागारे **(घ)** करमचन्द **(ङ)** महापुरुषः।
3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i) (ङ) (ii)
4. **(क)** देशस्य स्वतन्त्रतायै गान्धिः सत्याग्रह आन्दोलनम् अकरोत्। **(ख)** भारतः 1947 तमे वर्षे अगस्तमासस्य 15 दिनाङ्के स्वतन्त्रः अभवत्। **(ग)** निरीक्षकः छात्रान् 'केटल' इति शब्दं लेखितुम् आदिशत्। **(घ)** महात्मागान्धिनः घातकस्य नाम नाथूराम गोडसे आसीत्। **(ङ)** 'हे राम' इति उच्चारयन् महात्मा गांधी स्वप्राणान् अत्यजत्।

भाषा-बोध

1. **(क)** एकवचनम् षष्ठी **(ख)** एकवचनम् सप्तमी **(ग)** एकवचनम् चतुर्थी **(घ)** बहुवचनम् प्रथमा **(ङ)** एकवचनम् द्वितीया

2. **(क)** महात्मागान्धिनः कृते **(ख)** महात्मागान्धिनम् **(ग)** महात्मा गान्धिः **(घ)** महात्मा गान्धिः **(ङ)** शिक्षाविभागस्य निरीक्षकाय

3. **(क)** तं बालक पाठयतु। **(ख)** सः छात्रः अतीव बुद्धिमान् आसीत्। **(ग)** तस्मात् वृक्षात् आम्राणि आनय। **(घ)** अयं जनः केन सह गमिष्यति? **(ङ)** तस्याः महिलायाः गीतम् अतीव मधुरम् आसीत्।

9. रक्षाबंधनम्

1. **(क)** पूर्णिमायाम् **(ख)** रक्षासूत्रम् **(ग)** हुमायूँम्

2. **(क)** उत्सव **(ख)** राखी **(ग)** सब जगह **(घ)** रानी **(ङ)** भारतवर्ष में **(च)** है **(छ)** मानकर **(ज)** द्योतक

3. **(क)** उत्सवेषु 'रक्षाबन्धनम्' उत्सवः प्रमुखः अस्ति। **(ख)** प्रतिवर्षं श्रावणमास्य पूर्णिमायां रक्षाबन्धनं भवति। **(ग)** रक्षासूत्रं भगिन्यः प्रेम्णः प्रतीकम् अस्ति। **(घ)** भगिन्यः भ्रातृणां जीवनस्य दीर्घायुष्यं कामयन्ति। **(ङ)** भ्रातरः भगिनीभ्यः उपहाराणि यच्छन्ति।

भाषा-बोध

1. **(क)** भारतदेशे अनेके महोत्सवाः आयोज्यन्ते। **(ख)** रक्षासूत्रं महोत्सवः प्रेम्णः प्रतीकम् अस्ति। **(ग)** अस्माकं गृहे अनेकानि पुष्पाणि सन्ति। **(घ)** रक्षाबन्धनं प्रतिवर्षम् आयोज्यते।

2. **(क)** सर्वत्र आनन्दं भवति। **(ख)** एषु उत्सवेषु रक्षाबन्धनं प्रमुखः महोत्सवः अस्ति। **(ग)** रक्षासूत्रं भगिनीनां प्रेम्णः प्रतीकम् अस्ति। **(घ)** भ्रातरः भगिनीभ्यः उपहाराणि यच्छन्ति। **(ङ)** रक्षाबन्धनम् एकतायाः अखण्डतायाः च प्रतीकम् अस्ति।

10. प्रश्न-निर्माणम्

(क) का विशाला अस्ति? **(ख)** चटकाः केषु तिष्ठन्ति? **(ग)** का दुग्धं पिबति? **(घ)** केभ्यः फलानि पतन्ति? **(ङ)** के गर्जन्ति? **(च)** रामः केन क्रीडति?

11. कः समयः?

1. **(क)** चतुर्थांश **(ख)** एक घंटा **(ग)** पञ्चवादने **(घ)** पादोनसप्तवादने

2. **(क)** रवि – त्वं प्रातः कति वादने उत्तिष्ठसि? **(ख)** चित्रा – अहं प्रातः पञ्चवादने उत्तिष्ठामि। **(ग)** रवि – किं त्वं प्रातःकाले उद्याने गच्छसि? **(घ)** चित्रा – अहं प्रतिदिनम् उद्याने गच्छामि। उद्यानात् अहं दुग्धं पिबामि।

3. **(ख)** अधुनाः कः समयः?

   अधुना एकवादनम्।

   केशवः एकवादने विद्यालयात् आगच्छति।

   (ग) अधुनाः कः समयः?

   अधुना सपादनववादनम्।

   रामः सपादनववादने दुग्धं पिबति।

12. सूक्तयः

1. **(क)** वसुधैव **(ख)** मनोहारि **(ग)** गतः **(घ)** वीरभोग्या

2. **(क)** उदारचरितानां **(ख)** दुर्लभं **(ग)** लक्ष्मी **(घ)** वीरभोग्या **(ङ)** रक्षति **(च)** समाचरेत्

3. **(क)** परोपकारः पुण्याय भवति। **(ख)** महाजनो येन गतः स पन्था। **(ग)** आलस्यं मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपुः। **(घ)** विपरीतबुद्धिः विनाशकाले भवति। **(ङ)** विद्या विनयं ददाति। **(च)** उद्यमेन कार्याणि सिद्धयन्ति।

भाषा-बोध

1. **(क)** हितकारी और मनोहारी वचन दुर्लभ हैं। **(ख)** महापुरुष जिससे गए वह अच्छा मार्ग है। **(ग)** यह पृथिवी वीरों के भोगने योग्य है। **(घ)** धूर्त के साथ धूर्तता का व्यवहार करना चाहिए। **(ङ)** धर्म की रक्षा करने वाले की रक्षा स्वयं धर्म करता है।

2. **(क)** सज्जनाः सदैव हितम् आचरन्ति। **(ख)** अलस्यं मनुष्यस्य रिपुः अस्ति। **(ग)** अहिंसा परमो धर्मः।

संस्कृत–5

1. मठलाचरणम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. त्यज दुर्जनसंसर्गम्

1. **(क)** नृपः **(ख)** चित्रसेन **(ग)** अस्य **(घ)** सहोदरौ

2. **(क)** चित्रसेन **(ख)** आश्रमः **(ग)** शुकः **(घ)** वचनानि **(ङ)** शीलं

3. **(क)** मगधदेशस्य। **(ख)** काञ्चनमृगम्। **(ग)** शुकौ। **(घ)** शुकयोः।

4. **(क)** शुकेन, नृपं प्रति **(ख)** नृपेण, द्वितीयं शुकं प्रति। **(ग)** द्वितीयेन शुकेन, नृपं प्रति।

भाषा-बोध

1. **(क)** षष्ठी एकवचनम् **(ख)** षष्ठी एकवचनम् **(ग)** चतुर्थी एकवचनम् **(घ)** सप्तमी एकवचनम् **(ङ)** प्रथमा, द्वितीया द्विवचनम् **(च)** द्वितीया एकवचनम् **(छ)** प्रथमा एकवचनम्

2. **(क)** वृक्षे कः अतिष्ठत्? **(ख)** कयोः आचरणे भिन्नता अस्ति? **(ग)** एकः कः आसीत्? **(घ)** एकः किम् आसीत्?

(ङ) आर्याय कीदृशं जलम् आनय?

3. कृष्णः सुदामा

1. **(क)** निर्धनः **(ख)** निर्धनो **(ग)** परिवारः **(घ)** श्रीकृष्णः
2. **(क)** द्वारिकाधीशः **(ख)** क्षुधापीडितः **(ग)** बहिः **(घ)** निराशः
3. **(क)** (iv), **(ख)** (v), **(ग)** (i), **(घ)** (ii) **(ङ)** (iii)
4. **(क)** मुनेः सन्दीपनेः आश्रमे सुदामाकृष्णौ विद्याध्ययनं कुरुतः स्म। **(ख)** सुदामा सहायतार्थं श्रीकृष्णस्य समीपम् अगच्छत्। **(ग)** सुदामा तण्डुलानाम् उपायनं नीत्वा कृष्णस्य समीपम् अगच्छत्। **(घ)** स्व कुटीरम् आगत्य सुदामा अपश्यत् यत् तस्य कुटीरस्य स्थाने भव्यं प्रासादम् आसीत्।

भाषा-बोध

1. **(क)** श्रीकृष्णः द्वारिकायाः राजा आसीत्। **(ख)** सुदामा निर्धनः ब्राह्मणः आसीत्। **(ग)** प्रासादं दृष्ट्वा सुदामा प्रसन्नः अभवत्। **(घ)** सुदामा श्रीकृष्णस्य मित्रम् आसीत्।
2. **(क)** धीरे-धीरे सुदामा बहुत निर्धन हो गए। **(ख)** अपनी पत्नी के आग्रह से सुदामा श्रीकृष्ण के पास जाने के लिए तैयार हो गए। **(ग)** लज्जित सुदामा उन चावलों को श्रीकृष्ण को देने के लिए इच्छुक नहीं थे। **(घ)** ऐसी होती है आदर्श मैत्री।
3. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. श्रेष्ठा बुद्धिः

1. **(क)** सिंहः **(ख)** दुष्टः **(ग)** पशुम् **(घ)** पुत्रान् **(ङ)** विलपामि
2. **(क)** क्षुधितः **(ख)** विलापम् **(ग)** वन्यजीवाः **(घ)** स्व प्रतिबिम्बम् **(ङ)** आत्मरक्षाम्
3. **(क)** सिंहः वने अवसत्। **(ख)** शशकः चतुरः आसीत्। **(ग)** शशकः स्वबुद्धिबलेन आत्मरक्षाम् अकरोत्। **(घ)** वन्यजीवाः सिंहस्य अत्याचारेण भयभीताः आसन्।

भाषा-बोध

1. **(क)** प्रथम पुरुष अवदत् अवदताम् अवदन्

   (ख) मध्यम पुरुष अवदः अवदतम् अवदत

   (ग) उत्तम पुरुष अवदम् अवदाव अवदाम
2. **(क)** वह निर्दयी और दुष्ट था। **(ख)** एक बार शेर बहुत भूखा था। **(ग)** खरगोश बहुत चतुर था। **(घ)** खरगोश शेर को कुएँ के पास ले आया। **(ङ)** शेर ने कुएँ के जल में अपनी परछाई देखी।

5. सुभाषितानि

1. **(क)** मृगाः **(ख)** वसन्तसमये **(ग)** गजे गजे **(घ)** घटः
2. **(क)** कार्यणि न मनोरथैः **(ख)** भुवि **(ग)** चन्दनं **(घ)** कुतो **(ङ)** हेतुः धर्मस्य
3. **(क)** कार्याणि उद्यमेन सिद्ध्यन्ति। **(ख)** वसन्तसमये पिककाकयोः भेदः स्पष्टं भवति। **(ग)** विद्याहीनाः मृगरूपेण भुवि चरन्ति। **(घ)** सर्वत्र साधवः न भवन्ति। **(ङ)** अमित्रस्य सुखं न भवति। **(च)** जलबिन्दुनिपातेन घटः पूर्यते।

भाषा-बोध

1. **(क)** प्रत्येके वने चन्दनं न भवति। **(ख)** कार्याणि उद्यमेन एव सिद्ध्यन्ति मनोरथैः न। **(ग)** सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृगाः न प्रविशन्ति। **(घ)** पिकः कृष्णः भवति। **(ङ)** प्रत्येके शैले माणिक्यं न भवति।
2. **(क)** (ii), **(ख)** (iv), **(ग)** (vi), **(घ)** (i) **(ङ)** (iii), **(च)** (v)
3. **(क)** रामः पुस्तकं पठति। **(ख)** लक्ष्मणः रामेण सह गच्छति। **(ग)** रामः रावणम् अहनत्। **(घ)** सत्यस्य विजयः भवति। **(ङ)** अलसस्य कुतो विद्या।
4. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. लौहपुरुषः

1. **(क)** देशभक्ताः **(ख)** गुजरातप्रान्ते **(ग)** कल्याणार्थं
2. **(क)** सरदार वल्लभभाई पटेलः **(ख)** नाडियाड **(ग)** 'अहमदाबाद' **(घ)** लौहपुरुषः
3. **(क)** सरदार वल्लभभाईपटेलस्य जन्म गुजराप्रान्ते 'करद' नामके ग्रामे अभवत्। **(ख)** साबरमती नदीतटे 'सत्याग्रह' नामकस्य आश्रमस्य स्थापना अभवत्। **(ग)** अनेन महाभागेन कृषकाणां करविरोधी आन्दोलनं कृतम्।

भाषा-बोध

1. **(क)** ऐक्यभावनया कठिनानि कार्याणि अपि सफलानि भवन्ति। **(ख)** कृषकाणां साहाय्यने आन्दोलनं सञ्चालितम्। **(ग)** पटेल महाभागस्य शिक्षा नाडियाड ग्रामे अभवत्।
2. **(क)** इस संसार में अनेक देशभक्त पैदा हुए। **(ख)** भारत भूममंडल पर एक सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल थे। **(ग)** उन्होंने 1931 ई० में 'अहमदाबाद' नामक शहर में कार्य प्रारंभ किया। **(घ)** छात्र महापुरूषों के चरित्र को जानकर सदाचारी बनते हैं।

7. चतुरः मूषकः

1. **(क)** मूषकं **(ख)** खादिष्यसि **(ग)** रक्षायाः **(घ)** मूषकः
2. **(क)** मूषक! आगच्छ, क्रीडकाः। **(ख)** तु नेत्रनिमीलनक्रीडां **(ग)** नेत्रे **(घ)** बिले

भाषा-बोध

1. **(क)** आगच्छ, नेत्रनिमीलनक्रीडां क्रीडावः। **(ख)** उभे नेत्रे निमीलय। **(ग)** किं विचारयसि? **(घ)** अहं त्वां न

खादिष्यामि। **(ङ)** नहि, त्वं मां खादिष्यसि।

2. **(क)** मैं तो आँख-मिचौली का खेल जानता हूँ। **(ख)** रक्षा का उपाय करता हूँ। **(ग)** नहीं, नहीं! तुम मुझे खा जाओगी। **(घ)** चूहा दौड़ता है और बिल में घुस जाता है।

8. मम उद्यानम्

1. **(क)** पुष्पाणाम् **(ख)** छायाम् **(ग)** तड़ागः **(घ)** बालकाः
2. **(क)** लताः **(ख)** कमलानि **(ग)** भ्रमराः **(घ)** शान्तिम् **(ङ)** उद्यानं वायुं शुद्धं करोति।
3. **(क)** वृक्षात् पत्राणि फलानि च पतन्ति। **(ख)** खगाः वृक्षेषु निवसन्ति। **(ग)** मालाकारः वृक्षान् लताः च सिञ्चति। **(घ)** उद्याने वानराः वृक्षेभ्यः फलानि त्रोटयन्ति खादन्ति च।

भाषा-बोध

1. **(क)** एकवचनम् सप्तमी **(ख)** बहुवचनम् प्रथमा **(ग)** एकवचनम् द्वितीया **(घ)** एकवचनम् प्रथमा **(ङ)** एकवचनम् षष्ठी **(च)** बहुवचनम् षष्ठी **(छ)** एकवचनम् सप्तमी **(ज)** बहुवचनम् प्रथमा
2. **(क)** इदं मम उद्यानम् अस्ति। **(ख)** वृक्षेभ्यः फलानि पुष्पाणि च पतन्ति। **(ग)** लतासु पुष्पाणि विकसन्ति। **(घ)** कमलेषु भ्रमराः गुजन्ति।
3. **(क)** रामः रामौ रामाः **(ख)** बालकः बालकौ बालकाः **(ग)** गजः गजौ गजाः **(घ)** वृक्षः वृक्षौ वृक्षाः **(ङ)** खगः खगौ खगाः **(च)** भ्रमरः भ्रमरौ भ्रमराः

9. गणतन्त्रदिवसः

1. **(क)** श्रीगणेशः **(ख)** गणतन्त्र **(ग)** स्मरामः **(घ)** ध्वजारोहणम्
2. **(क)** महापुरुषान् **(ख)** दास्यामः **(ग)** स्वतन्त्रताघोषम् **(घ)** कृतज्ञता
3. **(क)** गणतन्त्रदिवसः जनवरीमासस्य 26 तमे दिनाङ्के मन्यते। **(ख)** 'गणतन्त्र' शब्दस्य अर्थः अस्ति तत् शासनविधानं येन शासनसम्बन्धीनि सर्वाणि अपि कार्याणि जनसमूहेन निर्वाचिताः प्रतिनिधयः कुर्वन्ति। **(ग)** विद्यालये प्राचार्य महोदयः ध्वजारोहणं करोति। **(घ)** अस्मिन् दिने जनाः प्रातःकाले राष्ट्रध्वजम् आदाय जनाः नगरभ्रमणे कुर्वन्ति सजयजयकारं च उद्घोषयन्ति।

भाषा-बोध

1. **(क)** अद्य वयं स्वतन्त्राः स्मः। **(ख)** अस्माकं स्वकीयं संविधानम् अस्ति। **(ग)** वयं स्वदेशस्य रक्षा करिष्यामः। **(घ)** अस्माकं देशः सर्वश्रेष्ठः अस्ति।
2. **(क)** 'गणतंत्र' शब्द का अर्थ है- वह शासन विधान जिससे शासन संबंधी सभी कार्य जनसमूह द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि करते हैं। **(ख)** हम इस दिन दृढ़प्रतिज्ञा करत हैं कि सभी हम भारतीय देश की स्वतंत्रता रक्षा करेंगे। **(ग)** इसी दिन प्रातः राष्ट्रध्वज लेकर लोग नगर-भ्रमण करते हैं, जय जयकार और नारे लगाते हैं। **(घ)** आत्मोत्सर्ग करने वालों और महापुरुषों को श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं।
3. **(क)** लेकर **(ख)** इकट्ठे **(ग)** नारे लगाते हैं **(घ)** तैयार **(ङ)** देंगे

10. दीपावलिः

1. **(क)** अमावस्यायाम् **(ख)** श्री रामचन्द्रः **(ग)** द्यूतक्रीडा
2. **(क)** उत्सवाः **(ख)** दीपावलिः **(ग)** स्वागताय **(घ)** हर्षम् **(ङ)** जीवनाय
3. **(क)** (ii), **(ख)** (iv), **(ग)** (v), **(घ)** (i) **(ङ)** (iii)
4. **(क)** दीपावलिः कार्तिकमासस्य अमावस्यायां तिथौ भवति। **(ख)** दीपावलिः दिवसे देव्याः लक्ष्म्याः पूजा भवति। **(ग)** जनाः सायङ्काले स्व गृहे दीपान् प्रजवालयन्ति। **(घ)** जनाः विस्फोटकपदार्थान् पुष्पझरिकाः च चालयन्ति। **(ङ)** श्रीरामलक्ष्मणसीतानां स्वागतार्थं जनाः दीपाः प्राज्वालयन्। **(च)** अस्मिन् महोत्सवे द्यूतक्रीडायाः दोषः दृश्यते।

भाषा-बोध

1. **(क)** भारतवर्ष में अनेक उत्सव मनाए जाते हैं। **(ख)** दीपावली एक प्रमुख उत्सव है। **(ग)** शाम को अपने घर में दीपक प्रज्वलित करते हैं। **(घ)** रात को लक्ष्मी पूजन होता हैं। **(ङ)** सभी लोग खुशी अनुभव करते हैं।
2. **(क)** निर्मलम् **(ख)** अमावस्यायाम् **(ग)** सार्थकम् **(घ)** प्रकाशः **(ङ)** दोषः **(च)** समाप्तम्
3. **(क)** पश्यन्ति **(ख)** भवन्ति **(ग)** चालयन्ति **(घ)** सन्ति **(ङ)** प्रज्वालयन्ति **(च)** गमिष्यन्ति

11. यात्रायाः साधनानि

1. **(क)** पादाभ्याम् **(ख)** कष्टम् **(ग)** नवीनानि **(घ)** अश्वैः
2. **(क)** रथैः, शकटैः, अश्वैः, **(ख)** नौकाभिः **(ग)** कष्टं **(घ)** उष्ट्रः
3. **(क)** प्राचीनकाले जनाः रथैः, शकटैः, अश्वैः, गर्दभैः, गजैः उष्ट्रैः च यात्रां कुर्वन्ति स्म। **(ख)** प्राचीनकाले जनाः पदातिरेव चलनेन यात्रायां कष्टम् अनुभवन्ति स्म। **(ग)** वर्तमानकाले लौहपथगामिनी, वायुयानम्, मोटरयानम् इत्यादि नवीनानि साधनानि सन्ति। **(घ)** यत्र लौहपथगामिनी न गच्छति तत्र जनाः मोटरयानेन यात्रां

कुर्वन्ति। **(ङ)** पर्वतीये क्षेत्रे जनाः आवागमनम् अश्वैः कुर्वन्ति।

भाषा-बोध

1. **(क)** प्राचीनकाले जनाः पदातिरेव यात्रां कुर्वन्ति स्म। **(ख)** प्राचीनकाले मानवाः नद्यां नौकया यात्रां कुर्वन्ति स्म। **(ग)** वायुयानेन जनाः दूरस्थस्य यात्रा अल्पकाले कुर्वन्ति। **(घ)** वर्तमाने यात्रायाः बहूनि साधनानि विद्यमानानि सन्ति।
2. **(क)** किंतु इस समय यात्रा के नए साधन हैं। **(ख)** मरुस्थल प्रदेश में ऊँट ही यात्रा का साधन है। **(ग)** पर्ततीय क्षेत्र में लोग घोड़ों से इधर-उधर जाते थे। **(घ)** प्राचीनकाल में मनुष्य पैदल दूर स्थान को जाते थे।
3. **(क)** पुंल्लिङ्गम् एकवचनम् तृतीया **(ख)** पुंल्लिङ्गम् बहुवचनम् तृतीया **(ग)** स्त्रीलिङ्गम् बहुवचनम् तृतीया **(घ)** पुंल्लिङ्गम् एकवचनम् चतुर्थी
4. **(क)** म्+अ+न्+उ+ष्+य्+अः

   (ख) ज्+अ+न्+अः

   (ग) न्+अ+व्+ई+न्+आ+न्+इ

   (घ) क्+इ+म्+अ+प्+इ

   (ङ) श्+अ+य्+अ+न्+अ+म्

12. विद्वान् सर्वत्र पूज्यते

1. **(क)** विनयादायाति **(ख)** विद्या **(ग)** विद्यार्थिनः **(घ)** पूज्यते **(ङ)** विद्वान्
2. **(क)** × **(ख)** ✓ **(ग)** × **(घ)** ✓ **(ङ)** ×
3. **(क)** (vi), **(ख)** (v), **(ग)** (iv), **(घ)** (iii), **(ङ)** (ii), **(च)** (i)
4. **(क)** (iii), **(ख)** (iv), **(ग)** (i), **(घ)** (ii)
5. **(क)** विद्या **(ख)** सर्वस्य। **(ग)** सुखम्। **(घ)** धनम्। **(ङ)** सर्वत्र।

भाषा-बोध

1. **(क)** नपुसकलिङ्गम् प्रथमा एकवचनम् **(ख)** पुंल्लिङ्गम् प्रथमा एकवचनम् **(ग)** स्त्रीलिङ्गम् द्वितीया एकवचनम् **(घ)** पुंल्लिङ्गम् प्रथमा एकवचनम् **(ङ)** पुंल्लिङ्गम् प्रथमा एकवचनम्
2. **(क)** सुखार्थी को विद्या कहाँ, विद्यार्थी को सुख कहाँ सुखार्थी या तो विद्या छोड़े दे अथवा विद्यार्थी सुख छोड़ दे। **(ख)** सुंदर, सुशील, कुलीन और अमीर व्यक्ति बिना विद्या के शोभा नहीं पाता है, क्योंकि विद्या सभी का आभूषण है।

संस्कृत–6

1. वन्दना

1. **(क)** श्वेतः हंसः। **(ख)** लवणाक्तः महोदधिः। **(ग)** सहधींशुः सूर्यः। **(घ)** परमात्मना पुष्पं विचित्रितम्। **(ङ)** अन्नदा पृथ्वी।
2. **(क)** शीतलं वायुं जीवदं निर्मलं जलम्।

   अन्नदां मातरं पृथ्वीं यश्चकार नमामि तम।।

   (ख) महाकाशों पूज्या माता वसुन्धरा।

   ध्येयं सदा परं ब्रह्म येनेदं धार्यतेऽखिलम्।।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** धरा, वसुधा **(ख)** मरुत्, समीरः **(ग)** सोमः, शशि **(घ)** रविः दिनकरः **(ङ)** सागरः, जलधिः
4. **(क)** चतुर्थी विभक्तिः एकवचनम् **(ख)** तृतीया विभक्तिः एकवचनम् **(ग)** चतुर्थी विभक्तिः एकवचनम् **(घ)** प्रथमा विभक्तिः बहुवचनम् **(ङ)** प्रथमा, द्वितीया विभक्तिः बहुवचनम्
5. **(क)** जिसने पृथ्वी को सब सहने वाली किया, उस विश्वात्मा को नमस्कार है। **(ख)** जिसने अन्न देने वाली माता पृथ्वी को बनाया, उसे नमस्कार करता हूँ। **(ग)** जिसने हंस को सफेद और सागर को खारा किया।

अनुवाद कौशल

6. **(क)** परमेश्वर एव अस्य संसारस्य पालकः अस्ति। **(ख)** निर्मलं जलं दातारं परमेश्वरं वयं नमामः। **(ग)** येन सूर्यः सहदाांशुः कृतः तस्मै नमः। **(घ)** वसुधा माता इव पूजनीया अस्ति।

2. नीलः श्रृगालः

1. **(क)** विपाकः वने वसति स्म। **(ख)** रजकस्य गृहे सः नीलरसपूर्णे पात्रे अपतत्। **(ग)** तस्य सुन्दरं वर्णं दृष्ट्वा तस्य वचनं च श्रुत्वा वन्यपशवः तं नमस्कारम् अकुर्वन् तस्यादेशेन च भ्रमणभोजनादिकं कर्तुम् आरब्धवन्तः। **(घ)** श्रृगालवृन्दस्य वचनं श्रृत्वा सोऽपि उत्थाय शब्द मकरोत्। **(ङ)** सर्वेषां स्वभावाः परीक्ष्यन्ते।
2. **(क)** क्षुधापीडित **(ख)** अदृष्ट्वा **(ग)** भैषीः, भैषीः **(घ)** पुलकितः **(ङ)** वञ्चकं
3. **(क)** एकस्मिन् वने विपाकः नाम्न एकः श्रृगालः वसति स्म। **(ख)** तेन विस्मृतं यत् सः वस्तुतः श्रृगालः एव अस्ति। **(ग)** सोऽपि उत्थाय उच्चस्वरेण शब्द कर्तुमारभत। **(घ)** तस्य शब्दान् श्रुत्वा वन्यपशवःआश्चर्यचकिताः

अभवन्। **(ङ)** व्याघ्रः तं वञ्चकं श्रृगालं व्यापादयामास।

व्याकरण कौशल

4. **(क)** एकदा एकःशशकः भ्रमन् बहु दूरम् अगच्छत्। **(ख)** कुक्कुराः तं श्रृगालम् अन्वधावन्। **(ग)** बालः पलायित्वा एकस्मिन् गृहे निलीनः। **(घ)** कोलाहलं श्रुत्वा सर्वे जनाः गृहात् बहिः आगताः। **(ङ)** सोऽपि उत्थाय शब्दं कर्तुमारभत।

5. **(क)** क्षुधापीडितः सः कुत्र अगच्छत्? **(ख)** केभ्यः भीतः सः वेगेन अधावत्? **(ग)** का दृष्ट्वा सः प्रसन्नः अभवत्? **(घ)** विपाकः वने किं कर्तुम् आरब्धवान्? **(ङ)** किं श्रुत्वा वन्यपशवः आश्चर्यचकिताः अभवन्?

अनुवाद कौशल

6. **(क)** भूख से परेशान वह नगर की ओर गया। **(ख)** गीदड़ को देखकर कुत्ते उसकी ओर दौड़े। **(ग)** और वहाँ एक नीले रंग से भरे बरतन में गिर गया। **(घ)** वहाँ से भागकर वह शीघ्र ही वन को आ गया। **(ङ)** तुम वन्य जीवों की रक्षा और पालन करो।

3. पर्यावरणम्

1. **(क)** अनावृष्ट्या अनाहारदशा भवति। **(ख)** प्रदूषणस्य चत्वारि क्षेत्राणि सन्ति; तद्यथा भूमिः, वायुः, जलं ध्वनिश्च। **(ग)** शस्यक्षेत्राणां भूमिः उर्वरकाणाम् अत्यधिकप्रयोगेन प्रदूषिता भवति। **(घ)** नगरणां मलिनपदार्थनाम् उद्योगानां च विषाक्तानाम् अपशिष्टानां पदार्थानां नदीषु निष्कासनेन क्षेपणेन वा जले प्रदूषणं वर्धते।

2. **(क)** कर्तनम् **(ख)** प्रदूषणं **(ग)** आकाशः **(घ)** नदीषु

3. **(क)** ✓ **(ख)** × **(ग)** × **(घ)** ✓

व्याकरण कौशल

4. **(क)** : अनावृष्टि **(ख)** अनागतः **(ग)** निश्चितता **(घ)** नवीनाः

5. **(क)** शिक्षकः छात्रं पाठयति। **(ख)** माता शिशवे मोदकं यच्छति। **(ग)** बालकः चित्राणि द्रष्टुम् इच्छति। **(घ)** पितामहः मनिदरात् आगत्य खादति। **(ङ)** सीता रामेण सह वनं गतवती।

अनुवाद कौशल

6. **(क)** एतैः परिवर्तनैः सर्वे प्राणिनः पीडिताः सन्ति। **(ख)** अस्याः दुर्दशायाः किं कारणम् अस्ति? **(ग)** पर्यावरणस्य सुरक्षा अस्माकं कर्तव्यम् अस्ति। **(घ)** प्रदूषणं प्रतिवर्षं वर्धते। **(ङ)** वयं विषाक्तानाम् उर्वरकाणां प्रयोगं न करिष्यामः।

4. समाचारपत्रम्

1. **(क)** समाचारपत्रं प्रतिदिनं प्रातः बहुषु गृहेषु गच्छति। **(ख)** समाचारपत्रस्य आदरः ग्रामनगरेषु भवति। **(ग)** समाचारपत्रस्य हृदये जातिधर्मादीनां भेदविचारः नास्ति। **(घ)** समाचारपत्रम् अस्माकं मित्रम् अस्ति। **(ङ)** समाचारपत्रस्य सर्वस्वं देशसेवा अस्ति।

2. **(क)** अहमेकं **(ख)** सञ्चारमाध्यमेषु **(ग)** तात्कालिकाः **(घ)** मित्रस्य; उपयोगः **(ङ)** सर्वस्वम्

व्याकरण कौशल

3. **(क)** नीत्या नीतिभ्याम् नीतिभिः **(ख)** मृत्युम् मृत्यू मृत्यूः **(ग)** मयि आवयोः अस्मासु **(घ)** त्वया युवाभ्याम् युष्माभिः **(ङ)** पत्रस्य पत्रयोः पत्राणाम्

4. **(क)** भवन्त्येव **(ख)** चात्र **(ग)** सर्वेष्वेव **(घ)** इत्यादयः

5. **(क)** सुंदर, सुहावना **(ख)** प्रशस्त **(ग)** मेरे जैसे का **(घ)** सब कुछ

अनुवाद कौशल

6. **(क)** वयं समाचारपत्रं प्रतिदिनं पठेम। **(ख)** एषा बालिका गृहं गच्छेत्। **(ग)** त्वम् एकं पत्रं लिखेः। **(घ)** कश्चिदपि दुःखितः न भवेत्।

5. वृक्षाणां वैशिष्ट्यम्

1. **(क)** वृक्षैः वनोपवनस्य शोभा भवति। **(ख)** संस्कृतभाषायां वृक्षस्य पर्यायाः सन्ति तरुः, पादपः, द्रुमः, विटप्, शाखिन्। **(ग)** फलवन्तः वृक्षाः सन्ति– बदरीवृक्षाः, तूदवृक्षाः (शहतूत), अम्लिकावृक्षाः (इमली), खर्जूरवृक्षाः जम्बूवृक्षाः, नारिकेल वृक्षा, पेरूकवृक्षाः (अमरूद), दाडिमवृक्षाः, सेबवृक्षाः, मधूकवृक्षाः (महुआ) नारङ्गवृक्षाः, अक्षोटवृक्षाः (अखरोट) वातादवृक्षाः इति। **(घ)** वृक्षाः जनानाम् उपकारं निम्नप्रकारेण कुर्वन्ति तद्यथा– एते आश्रयं प्रयच्छन्ति, छायां प्रसरन्ति, नानावर्णैः पुष्पैः लोकानां मनांसि रञ्जयन्ति, स्वास्थ्यवर्द्धकानि फलानि यच्छन्ति। यानि वस्तूनि अस्मभ्यम् आवश्यकानि सन्ति तदर्थं काष्ठं यच्छन्ति। एते आतपं हृत्य शैत्यं यच्छन्ति प्रदूषितं वातावरणं च स्वच्छं कुर्वन्ति। **(ङ)** मधुमक्षिकाः पुष्परसं पीत्वा पश्चात् च मधु यच्छन्ति।

2. **(क)** जीवनं **(ख)** वृक्षैः **(ग)** फलवन्तः; छायाप्रदाः **(घ)** आश्रयं **(ङ)** पुष्परसं

3. **(क)** ✓ **(ख)** ✓ **(ग)** ✓ **(घ)** × **(ङ)** ✓

व्याकरण कौशल

4. **(क)** चतुर्थी, पञ्चमी बहुवचनम् **(ख)** तृतीया बहुवचनम् **(ग)** प्रथम बहुवचनम् **(घ)** प्रथमा बहुवचनम् **(ङ)** सप्तमी बहुवचनम्

5. **(क)** कुछ; केचित् जनाः परोपकारिणः भवन्ति। **(ख)** लकड़ी; वयं काष्ठं वृक्षेभ्यः प्रप्नुमः। **(ग)** फल देने वाले; फलवन्तः वृक्षाः छायामपि यच्छन्ति। **(घ)** सुंदर; इदम् उपवनम् अति शोभनम् अस्ति। **(ङ)** देता है; वृक्षः अस्मभ्यं जीवनं ददाति।

अनुवाद कौशल

6. **(क)** वृक्ष सभी जीवों को जीवन देता है। **(ख)** ये वृक्ष छाया भी देते हैं। **(ग)** इनमें कुछ वृक्ष विशाल आकार के होते हैं। **(घ)** विविध लताएँ वृक्ष का आश्रय लेती हैं।

7. **(क)** सर्वेषु रत्नेषु वृक्षाः श्रेष्ठतमाः सन्ति। **(ख)** केचित् वृक्षाः फलवन्तः लघवश्च भवन्ति। **(ग)** केचित् वृक्षाः विशालाः केचित् च लघवः भवन्ति। **(घ)** खगाः वृक्षेषु नीडानि रचयन्ति। **(ङ)** वृक्षाः उष्णतां हृत्य शैत्यं प्रयच्छन्ति।

6. सुभाषितानि

1. **(क)** हस्तस्य भूषणं दानं भवति। **(ख)** श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भवति। **(ग)** कण्ठस्य भूषण सत्यं भवति। **(घ)** यस्मिन् देशे न सम्मानः, न सनेहः, न बन्धु न च विद्वान् भवेत् तत्र न वसेत्। **(ङ)** सर्वे जनाः सुखिनः, निरोगाः भवेयुः कल्याणकरं च पश्येयुः, कश्चिदपि दुःखभागी न भवेत्।

2. **(क)** पुस्तकस्था तु या विद्या परहस्तगतं धनम्। **(ख)** यत् यत् परवशं कर्म तत् तत् यत्नेन वर्जयेत्। **(ग)** हस्तस्य भूषणं दान सत्यं कण्ठस्य भूषणम्। **(घ)** यस्मिन् बान्धवाः देशे न सम्मानो न प्रीतिः न च बानधवाः **(ङ)** सर्वे भद्राणि पश्यन्त मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।

3. **(क)** न **(ख)** आम् **(ग)** आम् **(घ)** न **(ङ)** न

व्याकरण कौशल

4. **(क)** विद्या सर्वधनं प्रधानं कथ्यते। **(ख)** सत्यः सदा जयति। **(ग)** मानवः सदा सत् कर्म एव कुर्यात्। **(घ)** वार्षिकोत्सवे शिक्षामन्त्री महोदयस्य सम्मानः अभवत्। **(ङ)** सर्वे मानवाः निरामयाः भवेयुः।

अनुवाद कौशल

5. **(क)** (iii), **(ख)** (v), **(ग)** (i), **(घ)** (ii) **(ङ)** (iv)

7. परिश्रमस्य फलम्

1. **(क)** लक्ष्मीदासः कृषिकर्मणि अनेकान् भृत्यान् सेवकाञ्च नियोजितवान्। **(ख)** लक्ष्मीदासस्य भृत्याः सेवकाः च अलसाः कर्मचौराश्च आसन्। **(ग)** चरणदासः स्व परिश्रमेण धनिकः अभवत्। **(घ)** निर्धनो ऋणी च भूरा लक्ष्मीदासः भूमिं विक्रेतुम् उद्यतो जातः। **(ङ)** चरणदासः लक्ष्मीदासम् अवदत् यत् 'एतद् धनं मह्मं केनापि न प्रदत्तम्। एतद् धनं तु मया परिश्रमं कृत्वा उत्पादनधान्यैः प्राप्तम् इति।'

2. **(क)** प्रमादी **(ख)** भृत्याः सेवकाः; कार्यं **(ग)** क्षेत्रोत्पादन; क्षीणा **(घ)** काले **(ङ)** बहुभूमिरासीत्

व्याकरण कौशल

3. **(क)** पुनश्च **(ख)** निधनोऽभूत् **(ग)** केनापि **(घ)** भूम्र्यिासीत् **(ङ)** ऋणमपि **(च)** तस्योपरि

4. **(क)** निर्धनः + अभूत् **(ख)** सेवकान् + च **(ग)** तस्य + उपरि **(घ)** अनेन + एव

5. **(क)** कर्ज का भार
   शनैः शनैः तस्योपरि ऋणभारम् अभवत्।
   (ख) कृषिकार्य आदि
   सः परिश्रमेण कृषिकार्यादिकं करोति स्म।
   (ग) मजदूर
   एषः श्रामिकः बहु परिश्रमी अस्ति।
   (घ) थोड़ा समय
   कार्यं शीघ्रं समापयत, अल्पकालः एव अधुना।
   (ङ) समय के अनुसार
   परीक्षायाः को कालक्रमः?
   (च) बेचने के लिए
   सः फलानि विक्रेतु प्रतिदिनं नगरं गच्छति।

6. **(क)** अस् प्रथमः बहुवचनम् **(ख)** पृच्छ् प्रथमः एकवचनम् **(ग)** भू उत्तमः एकवचनम् **(घ)** इष् प्रथमः एकवचनम् **(ङ)** वस् प्रथमः एकवचनम् **(च)** कृ प्रथमः एकवचनम्

अनुवाद कौशल

7. **(क)** लक्ष्मीदासस्य सेवकाः भृत्याश्च इतस्ततः भ्रामान्ति। **(ख)** अल्पसमये एव लक्ष्मीदासः निर्धनोऽभूत्। **(ग)** चरणदासः स्व श्रमिकैः सह बहु परिश्रमं करोति स्म। **(घ)** अहम् अल्पं मूल्यं न दास्यामि। **(ङ)** मया एतत् धनं परिश्रमेण प्राप्तम्।

8. चन्द्रशेखरः

1. **(क)** चन्द्रशेखरः 'क्वीन्स कॉलेज' नामकस्य महाविद्यालयस्य छात्रः आसीत्। **(ख)** चन्द्रशेखरस्य जन्मस्थानं परमपुण्या वाराणसी नगरी आसीत्। **(ग)** 'काकारी' काण्डे आजादः राजकीयकोषम् अपहृतवान्। **(घ)** 'अल्फ्रेड' उद्यानं प्रयागनगरे अस्ति। **(ङ)** अन्तिमया अवशिष्टया गुलिकया आजादः आत्मानं निहतवान्।

2. **(क)** पञ्चदशवारं वेत्राघातम् आदिष्टवान्। **(ख)** मुक्तये **(ग)** भयाक्रान्तः **(घ)** कुटिला

3. **(क)** × **(ख)** ✓ **(ग)** ✓ **(घ)** ×

व्याकरण कौशल

4. **(क)** बेंत का प्रहार **(ख)** प्रतिभाशाली **(ग)** आजादी के लिए **(घ)** गोली **(ङ)** मार देने वाला **(च)** बैठा
5. **(क)** महोदयस्य **(ख)** आत्मानमेव **(ग)** संस्कृतम् **(घ)** न्यायाधीशः

अनुवाद कौशल

6. **(क)** चन्द्रशेखरः आजादः एकः महान् क्रान्तिकारी आसीत्। **(ख)** चन्द्रशेखरः वाराणस्यां जन्म अलभत। **(ग)** आजादः संस्कृतस्य छात्रः आसीत्। **(घ)** आजादः अन्ततः आजादः अतिष्ठत्।

9. गृध्रमार्जारयोः कथा

1. **(क)** गृध्रः विशाले वटवृक्षे वसति स्म। **(ख)** गृधः मार्जारम् अवदत् यत् 'मार्जाराः तु मांसप्रियाः भवन्ति। अत्र पक्षिशावकाः निवसन्ति। अतः अस्मात् त्वं दूरं गच्छ, अन्यथा त्वां मारयिष्यामि।' **(ग)** मार्जारः प्रतिदिनं खगशिशून् कोटरे नीत्वा खादति स्म। **(घ)** खगाः जरद्गवं हतवन्तः। **(ङ)** अज्ञातकुलशीलस्य वासो न देय।

व्याकरण कौशल

2. **(क)** तेऽपि तस्मै स्वाहारात् किचित् यच्छन्ति स्म। **(ख)** खगशिशवः कोलाहलं कृतवन्तः। **(ग)** यूयं दूरं गच्छत। **(घ)** ते अवदन्- ''वयं मार्जाराः।'' **(ङ)** वयं चन्द्रं दृष्टवन्तः। **(च)** बकाः जरद्गवं हतवन्तः।
3. **(क)** खगात् खगभ्याम् खगेभ्यः **(ख)** शिशुम् शिशू शिशून् **(ग)** भये भययोः भयेषु **(घ)** गुरवे गुरुभ्याम् गुरुभ्यः **(ङ)** कोटरे कोटरयोः कोटरेषु **(च)** मार्जारिण मार्जाराभ्याम् मार्जारैः
4. **(क)** किं वैभवः गृहम् आगतवान्? **(ख)** खगशिशुः कोलाहलं कृतवान्। **(ग)** सः अवदत् यत् त्वम् इतः शीघ्रं गच्छ। **(घ)** सः प्रतिदिनं धावति। **(ङ)** मार्जारः अनेकान् खगशिशून् खादितवान्। **(च)** तेन तानि अस्थीनि कोटरे स्थापितानि।
5. **(क)** स्व + आहारात् **(ख)** तत्र + आगतवान् **(ग)** गृध्रः + अवदत् **(घ)** इतः + ततः **(ङ)** सः + अवदत् **(च)** भवन्ति + एव
6. **(क)** सोऽपि **(ख)** महर्षिः **(ग)** देवालयः **(घ)** यद्यपि

अनुवाद कौशल

7. **(क)** वने एकः वटवृक्षः आसीत्। **(ख)** गृध्रस्य नाम जरद्गवः आसीत्। **(ग)** अहिंसा परमोधर्मः। **(घ)** दीर्घकर्णः एकः मार्जारः आसीत्। **(ङ)** अक्षाताय आश्रायो न देयः।

10. महाकविः कालिदास

1. **(क)** संस्कृतसाहित्ये महाकविः कालिदासः कविकुलगुरुः कथ्यते। **(ख)** कालिदासस्य विवाहः एकया विदुष्या राजकन्यया विद्योत्तमया सह अभवत्। **(ग)** कालिदासस्य द्वे महाकाव्ये स्तः रघुवंशम्, कुमार सम्भवम्। **(घ)** दिलीपस्य गोसेवा रघुवंशकाव्ये अस्ति। **(ङ)** कालिदासस्य सर्वश्रेष्ठं नाटकं अभिज्ञानशाकुन्तलम् अस्ति।
2. **(क)** श्रेष्ठोऽस्ति। **(ख)** विद्यया; पतिः **(ग)** स्वपत्नीं; निकषागच्छत्। **(घ)** उपमालङ्कारस्य प्रयोगे महाकविः सर्वानतिशेते। **(ङ)** उपमा कालिदासस्य

व्याकरण कौशल

3. **(क)** विद्या + उत्तमा **(ख)** मूर्खेण + एव **(ग)** एषः + अनुपमम् **(घ)** इति + उक्तिः **(ङ)** रत्नानि + इव
4. **(क)** महाकविः **(ख)** विद्योत्तमा **(ग)** राजकन्या **(घ)** मूर्खजनः **(ङ)** अमूल्यानि
5. **(क)** तुच्छः **(ख)** मेलनम् **(ग)** मृत्युः **(घ)** मर्त्यः **(ङ)** अपण्डितः **(च)** शिष्यः **(छ)** दूरम् **(ज)** प्रसन्नः

अनुवाद कौशल

6. **(क)** कालिदासस्य विषये एका किंवदन्ती प्रसिद्धा अस्ति। **(ख)** यः मां विद्यया पराजेष्यति स एव नम पतिः भविष्यति। **(ग)** कालिदासेन त्रयाणां काव्यानां-रचना कृता। **(घ)** कालिदासस्य उपमा प्रसिद्धा अस्ति। **(ङ)** कालिदास कविकुलगुरुः नाम्ना प्रसिद्धः अस्ति।

11. उद्यान-भ्रमणम्

1. **(क)** उद्याने आम्राणाम्, कदलीफलानाम्, जम्बूफलानाम् तूतानां च वृक्षाः सन्ति। **(ख)** वातावरणं वृक्षाः स्वच्छं कुर्वन्ति। **(ग)** मालाकारः कोष्ठात् आम्राणि आनयति। **(घ)** मालाकारस्य उद्यानम् उष्णप्रदेशे स्थितः अस्ति। **(ङ)** लीचीकाः फलानि विशेषतः देहरादूननगरे भवन्ति।
2. **(क)** उद्याने **(ख)** कदलीफलानि **(ग)** शक्ष्यामि **(घ)** कूपं **(ङ)** उद्यानानां

व्याकरण कौशल

3. **(क)** पुंल्लिङ्गम् प्रथमा बहुवचनम्
   (ख) पुंल्लिङ्गम्, नपुंसकलिङ्गम् षष्ठी एकवचनम्
   (ग) नपुंसकलिङ्गम् प्रथमा, द्वितीया बहुवचनम्
   (घ) उभयलिङ्गम् तृतीया बहुवचनम्
4. **(क)** हम आपके बगीचे में आ रहे हैं। **(ख)** आपके बगीचे में किस-किस फल के वृक्ष हैं? **(ग)** हम आपसे कुछ पूछना चाहते हैं। **(घ)** मेरा बगीचा तो गर्म प्रदेश में स्थित है। **(ङ)** ये फल बहुत ही मधुर हैं।

12. राजा शिविः

1. **(क)** शिविः धार्मिकः करुणापरः राजा आसीत्। **(ख)** एकदा शिवेः परीक्षणाय इन्द्रः आगतः। **(ग)** इन्द्रः श्येनरूपे आगतः। **(घ)** कपोतस्य भारः मांसादधिकः आसीत्। **(ङ)** राजा शिविः श्येनस्य क्षुधार्थं स्वयं तुलायाम् उपविष्ठः।
2. **(क)** परीक्षणाय **(ख)** अस्मि **(ग)** मृतो **(घ)** मम **(ङ)** स्थापयत्।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** शुद्ध **(ख)** अशुद्ध
4. **(क)** तव + अङ्के **(ख)** शरण + आगतः **(ग)** न + आसीत्
5. **(क)** चाहा **(ख)** धारण करके **(ग)** बोला **(घ)** क्षमा कीजिए
5. **(क)** शिविः खगस्य वधं न अकरोत्। **(ख)** राजा स्वात्मानम् अदण्डयत्। **(ग)** राजा स्वशरीरं खड्गेन अकृन्तत्। **(घ)** श्येनरूपे इनद्रः आसीत्। **(ङ)** आकाशात् पुष्पवृष्टिः अभवत्।

13. कल्पितः भिक्षुक

1. **(क)** भिक्षुक प्रतिदिनं भिक्षाटनं करोति स्म। **(ख)** घटः एकस्मिन् नागदन्ते लम्बमानः आसीत्। **(ग)** भिक्षुकः अचिन्तयत् यत् शीघ्रमेव गोधूमचूर्णेन अहं घटं पूरयिष्यामि। चूर्णपूरित घटं हट्टं नेष्यामि। तत्र सम्पूर्णं चूर्णं विक्रेष्यामि। तेन प्राप्तेन धनेन एकां धेनुं क्रेष्यामि। यस्याः दुग्धस्य बिन्दुमपि विना मूल्येन कस्मै अपि न दास्यामि। सर्वं दुग्धं तेन धनेन एकं सुन्दरं भवनं निर्मापयिष्यामि। ततः विवाहं कृत्वा सुखेन निवसिष्यामि। यदा मम भार्या मभिनिषेधिते अपि स्व पितृगृहं गन्तुं, वारं वारं वदिष्यति तदा। क्रोधेन ताम् अबाध्यां पत्नीं पादेन ताडयिष्यामि इति। **(घ)** चूर्णपूरितः घटः पादे ताडनेन भग्नः। **(ङ)** दुःखाय कल्पितं सुखं भवति।
2. **(क)** कृपणः **(ख)** अबाध्यां **(ग)** कल्पितं **(घ)** तेन **(ङ)** चूर्णपूरितं

व्याकरण कौशल

3. **(क)** भिक्षा द्वारा

अयं साधु भिक्षया स्व जीवनं यापयति।

(ख) बिस्तर पर

भिक्षुकः शीघ्रमेव शय्यांयां शयितः।

(ग) बेचूँगा

अहम् एनां धेनुं न विक्रेष्यामि।

(घ) बनाऊँगा

तेन धनेन अहं सुन्दरं गृहं निर्मापायिष्यामि।

(ङ) उसके लिए

सा तदर्थं मुहुर्मुहुः वदिष्यति।

(च) मनोरथों से

कार्याणि परिश्रमेण सिद्धयन्ति मनोरथैः न।

4. **(क)** मृद् + घटे **(ख)** चूर्ण + पूरितम् **(ग)** घटम् + एव **(घ)** गोधूम + चूर्णम् **(ङ)** मूलम् + एव
5. **(क)** कृपणः **(ख)** सुन्दरं **(ग)** चूर्णपूरितः **(घ)** कल्पितं **(ङ)** मधुरं
6. **(क)** दुग्धस्य एकं बिन्दुमपि अहं कस्मै अपि न दास्यामि। **(ख)** मम भार्या मुहुर्मुहुः गृहं गन्तुं कथयिष्यति। **(ग)** अहं तां पादेन ताडयिष्यामि। **(घ)** धनंम् एकत्रितं कृत्वा गृहं निर्मापयिष्यामि। **(ङ)** परिश्रमेण कार्याणि सिद्धयन्ति।

14. आज्ञाकारी शिष्यः

1. **(क)** आरुणिः महर्षेः धौम्यस्य शिष्यः आसीत्। **(ख)** गुरुःआरुणिं केदारखण्डं बद्धुम् आदिशत्। **(ग)** जलस्य प्रवाहः आरुणिणा जलमार्गे स्वयं शयिते रुद्धोऽभवत्। **(घ)** आरुणिनः गुरुभक्त्याः विस्मितो भूत्वा गुरुः अवदत् यत्- ''वत्स! त्वं मम अभूतपूर्वः शिष्यः। कल्याणं ते भवतु! सर्वे वेदाः शास्त्राणि च तव प्रतिभान्तु। अयं हि मम आशीर्वादः।''
2. **(क)** आरुणिः तत् श्रुत्वा त्वरितम् अगच्छत्। **(ख)** तथा संस्थितस्य तस्य तद्दिनं व्यतीतम्। **(ग)** तदा आरुणिः स्वयमेव तत्र समाविशत्। **(घ)** ततो जलस्य प्रवाहो रुद्धोऽभवत् । **(ङ)** तथा संस्थितस्य तद्दिनं व्यतीतम्।
3. **(क)** × **(ख)** ✓ **(ग)** × **(घ)** ✓ **(ङ)** ✓

व्याकरण कौशल

4. **(क)** भूतकालः प्रथमः पुरुषः **(ख)** भूतकालः प्रथमः पुरुषः
5. **(क)** यह हूँ भगवन्! **(ख)** आज्ञा दीजिए क्या करूँ अब? **(ग)** वत्स! तुम मेरे अभूतपूर्व शिष्य हो। **(घ)** तुम्हारा कल्याण हो। **(ङ)** सभी वेद और शास्त्र तुम्हें प्रतिभासित हो जाएँ।

संस्कृत–7

1. वन्दना

1. **(क)** परमानन्दमाधवः (परमात्मा) पङ्गुं गिरिं लङ्घयते। **(ख)** सर्वलोकानां रक्षकः परमेश्वरः। **(ग)** ईशं रामरहीम इति कथयन्ति। **(घ)** वयं सादरं ईशधरे प्रणमामः। **(ङ)** प्रभोः नामानि अनन्तानि।

2. **(क)** परमानन्दमाधवम् **(ख)** सर्वलोकानां सुखशान्ति **(ग)** कथयन्त्यनेकाः रहीम इति **(घ)** प्रणमामस्तौ वयं सर्वे **(ङ)** नामान्यनन्तानि मन्दिराणि बहूनि च। धर्ममार्गश्च यं प्राप्तुं तं नमामि

3. **(क)** (iv), **(ख)** (i), **(ग)** (v), **(घ)** (ii) **(ङ)** (iii)

व्याकरण कौशल

4. **(क)** परम + आनन्दः **(ख)** सर्व + लोकानाम् **(ग)** च + अपराः **(घ)** एक + एव **(ङ)** सह + उदराः

अनुवाद कौशल

5. एक ईश्वर हमारा पिता है, एक ही पृथ्वी माता है।
उन दोनों को सादर प्रणाम करते हैं, हम सभी भाई हैं।

2. गृहीतः चौर

1. **(क)** धर्मदासः पूर्णस्नेहेन प्राणपणेन च नन्दिनी नाम्नीं धेनुं पालयति स्म। **(ख)** धर्मदासः धेनुं क्रेतु पशुहट्टे गच्छति। **(ग)** इयं धेनुः मम पार्श्वे बहुवर्षेभ्यः अस्ति इत्युक्त्वा चौरः धेनोः स्वामित्वं दर्शयति। **(घ)** नहि, धेनुः काणा न आसीत्। **(ङ)** चौरं राजपुरुषाः निगृहीतवन्तः।

2. **(क)** नन्दिनी **(ख)** चौरः **(ग)** बहु वर्षेभ्यः **(घ)** काणा **(ङ)** असत्यम्

3. **(क)** कः तस्य धेनुम अपहरत्? **(ख)** का गेहे नासीत्? **(ग)** सः कैः सह आपणं गच्छति? **(घ)** मया कथं विपरीतं कथितम्? **(ङ)** के चौरं निगृहीतवन्तः?

व्याकरण कौशल

4. **(क)** कृषीवलः **(ख)** धेनुः **(ग)** सत्वरम् **(घ)** नेत्रेण **(ङ)** गेहे **(च)** असत्यम्

5. **(क)** शोभना **(ख)** सम्यक् **(ग)** सम्भ्रान्तः चौरः **(घ)** दक्षिणेन **(ङ)** गृहीतः **(च)** प्रसन्नाः

अनुवाद कौशल

6. **(क)** धर्मदासस्य पार्श्वे एका नन्दिनी नाम्न्याः धेनुः आसीत्। **(ख)** कश्चन चौरः धर्मदासस्य धेनुम् अपाहरत्। **(ग)** इयं तु मम पार्श्वे बहु वर्षेभ्यः अस्ति। **(घ)** धेनु दक्षिणेन लोचनेन काणा अस्ति। **(ङ)** सैनिकाः चौरं निगृहीतवन्तः। **(च)** धर्मदासाय तस्य धेनु अलभत।

3. शोभनं करोति

1. **(क)** नृपस्य सचिवाः राजभक्ताः आसन्। **(ख)** ईश्वरस्य विषये दुद्धिसिंहस्य विचारः आसीत् यत् सः यत्करोति तत् शोभनं करोति। **(ग)** नृपः बुद्धिसिंहश्च दस्युभिः गृहीतौ। **(घ)** दस्युराजः बुद्धिसिंहस्य बलिं तस्य पुत्रहीनत्वात् न अयच्छत्। **(ङ)** नृपः बलिकार्याय अतः अनुपयुक्तः आसीत् यतोहि तस्य अङ्गुलि छिन्ना आसीत्।

2. **(क)** कस्य बहवः सचिवाः आसन्? **(ख)** अपरेः मन्त्रिणः किं कृतवन्तः? **(ग)** केन शोभनं न कृतम्? **(घ)** नृपः कस्यार्थं वनं गतवान्? **(ङ)** अधुना किं पूर्णं भविष्यति?

3. **(क)** एकः नृपः स्नेहेन प्रजां पालयति स्म। **(ख)** तस्य बुद्धिसिंहः नाम्नः सचिवः आसीत्। **(ग)** सः सर्वदा कथयति स्म यत् ईश्वरः यत् करोति तत् शोभनम् एव करोति। **(घ)** बुद्धिसिंहस्य पुत्रः मृतः नृपस्य च अङ्गुली छिन्ना जाता। **(ङ)** एकदा नृपः सचिवश्च आखेटाय वनं गतवन्तौ। **(च)** तत्र तौ दस्युभिः बलिकार्याय गृहीतौ। **(छ)** दस्युराजः अकथयत्, ''अस्माकं देवी पुत्रहीनस्य बलिं न वाञ्छति।'' **(ज)** राजा अङ्गहीनतया बलिकार्याय अनुपयुक्तः। **(झ)** उभौ ततः पलायितौ। **(ञ)** तदा नृपः अमन्यत यत् ईश्वरः यत् करोति तत् शोभनम् एव करोति।

4. **(क)** बुद्धिसिंहेन, नृपम् **(ख)** दस्युराजेने, स्व सेवकान् **(ग)** राज्ञा, बुद्धिसिंहम्

व्याकरण कौशल

5. **(क)** (iii), **(ख)** (iv), **(ग)** (v), **(घ)** (ii) **(ङ)** (i)

6. **(क)** ईश्वरस्य कृते **(ख)** बुद्धिसिंहस्य कृते **(ग)** राज्ञः कृते **(घ)** दस्युराजस्य कृते **(ङ)** राजा बुद्धिसिंहयोः कृते

अनुवाद कौशल

7. **(क)** राजा ने बुद्धिसिंह को पूछा। **(ख)** राजा शिकार के लिए वन में गया। **(ग)** दस्युराज ने सेवकों को कहा। **(घ)** बुद्धिसिंह ने उत्तर दिया। **(ङ)** दस्युराज बंदी को लाया। **(च)** डाकुओं ने उन दोनों को मुक्त कर दिया।

4. विद्यायाः महत्त्वम्

1. **(क)** विनयं विद्या ददाति। **(ख)** व्ययतो विद्या आयाति। **(ग)** गुरूणां गुरुः विद्या। **(घ)** स्वदेशे राजा पूज्यते। **(ङ)** सर्वत्र विद्वान् पूज्यते।

2. **(क)** विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्। **(ख)** विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परादेवता। **(ग)** अपूर्वः कोऽपि कोशोऽयं विद्यते तव भारति। **(घ)** पुस्तकस्था तु या विद्या परहस्तं गतं धनम्। कार्यकाले समुत्पन्ने न सा विद्या न तद्धनम्। **(ङ)** विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** मनुष्यः विद्यया पात्रतां प्राप्नोति। **(ख)** परोपकारादिभ्यः मनुष्यः यशः प्राप्नोति। **(ग)** शक्तिः परेषां रक्षणाय भवति। **(घ)** मातुः सरस्वतेः कोशः अद्भुतः अस्ति। **(ङ)** विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।

4. **(क)** मनुष्यः **(ख)** मृगः **(ग)** सरस्वती **(घ)** राजा **(ङ)** दुष्टः **(च)** प्राज्ञः

5. **(क)** अधर्मः **(ख)** दुःखः **(ग)** साधुः **(घ)** देशः

अनुवाद कौशल

6. **(क)** विद्याधनं सर्वधनेषु श्रेष्ठम् अस्ति। **(ख)** विद्या गुरूणां गुरुः। **(ग)** विद्याहीनः मनुष्यः पशुतुल्यः अस्ति। **(घ)** कार्यकाले समुत्पन्ने पुस्तकस्था विद्या परहस्तगतं धनं च कार्ये नायाति।

5. क्रान्तिकारी सुखदेवः

1. **(क)** देशवासिनां प्रथमपक्षस्य विचारः आसीत् यत् सत्याहिंसया सत्याग्रहान्दोलनेन चैव स्वतन्त्रताया प्राप्तिर्भविष्यति इति। **(ख)** सुखदेवः 'शठे शाठ्यं समाचरेत्' इत्येतस्य दलस्य क्रान्तिकारी आसीत्। **(ग)** सुखदेवस्य जन्म सप्तमधिकम् एकोनविंशतितमे मई मासस्य पञ्चदशे दिनाङ्के अभवत्। **(घ)** सुखदेवस्य हस्तोपरि 'सुखदेव' अंकितमासीत्। **(ङ)** विस्फोटकपदार्थानामुद्योगशालायाः उद्घाटनं सुखदेवेन लवपुरे कृतम्।

2. **(क)** दिशामार्गे **(ख)** पञ्जाब; लुधियाना **(ग)** द्रावर्तिकया **(घ)** गुप्तचरेण **(ङ)** क्रान्तिकारीणां

व्याकरण कौशल

3. **(क)** एकेन गुप्तचरेण सूचनया आ लशासकाः सुखदेवं बन्दीकृतवन्तः। **(ख)** भारतदेशस्य स्वतन्त्रातायै कार्यरतेषु सुखदेवः विशिष्टं स्थानं स्थापयति। **(ग)** भारतदेशात् अन्येभ्यः देशेभ्यः अनेकानां वस्तूनां निर्यातं भवति। **(घ)** महान् चाणक्यः दूरदर्शी आसीत्। **(ङ)** तस्य हस्तोऽपरि तस्य नाम अङ्कितमस्ति। **(च)** सः अनेकान् नवयुवकान् संगठिकृत्य देशस्य स्वतन्त्रतायै रतः अभवत्।

4. **(क)** अभवताम् **(ख)** अभवः अभवतम् **(ग)** अभवम् अभवाम

5. **(क)** जननी, अम्बा **(ख)** वह्नि, अनलः **(ग)** वातः, समीरः **(घ)** परमात्मा, प्रभुः

6. **(क)** सुखदेव का जन्म पंजाब प्रदेश के लुधियाना जिले के अंतर्गत निराव गाँव में हुआ था। **(ख)** इस समय सुखदेव अपनी शिक्षा के अध्ययन में कार्यरत थे। **(ग)** सुखदेव के हाथ पर 'सुखदेव' छपा था। **(घ)** क्रांतिकारियों को विस्फोटकों का निर्यात सुखदेव के माध्यम से हुआ। **(ङ)** सुखदेव के जन्म शताब्दी वर्ष में भारत गौरव का अनुभव करता है।

7. **(क)** भारतदेशस्य स्वतन्त्रतायै सर्वे जनाः स्व स्व विधिना संलग्नाः आसन्। **(ख)** सुखदेवः एकः सशक्तः क्रान्तिकारी आसीत्। **(ग)** देशभक्तानां दलद्वयम् आसीत्। उष्णदलं मृदुदलं च। **(घ)** शासनविरुद्धे शस्त्रं विना सङ्घर्षम् असम्भवम् आसीत्। **(ङ)** सुखदेवस्य हस्तोपरि 'सुखदेव' इति अङ्कितमासीत्।

6. आदिकविः वाल्मीकि

1. **(क)** स्व सहचरस्य वियोगेन व्याकुलितायाः क्रौच्याः रोदनम् उच्चैः क्रन्दनं च श्रुत्वा बिद्धमेकं क्रौचपक्षिणं दृष्ट्वा ऋषिः द्रवितोऽभवत्। **(ख)** वाल्मीकिः स्नातुं तमसानद्याः तीरम् अगच्छत्। **(ग)** वाल्मीकि क्रौच्याः रोदनम् अशृणोत्।

2. **(क)** वाल्मीकिः। **(ख)** शिष्यैः। **(ग)** ब्रह्मा। **(घ)** वाल्मीकिः **(ङ)** रामायणीकथा।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** तृतीया बहुवचनम् **(ख)** प्रथमा एकवचनम् **(ग)** प्रथमा एकवचनम् **(घ)** प्रथमा, द्वितीया बहुवचनम् **(ङ)** पञ्चमी, षष्ठी एकवचनम्

4. **(क)** निर् + अगच्छत् **(ख)** श्लोक + बद्धा **(ग)** मार्ग + दर्शकः **(घ)** तत् + रचना **(ङ)** च + उच्यते

5. **(क)** सीतावियोगेन श्रीरामः व्याकुलो ऽभवत्। **(ख)** श्रीलक्ष्मणः सुग्रीवं प्रति उन्मुखः अभवत्। **(ग)** अस्माः वृद्धायाः व्याकुलितायाः न किमपि पारम्। **(घ)** अध्यापकः मार्गदर्शकः भवति।

अनुवाद कौशल

6. **(क)** वाल्मीकि एक बार शिष्यों के साथ स्नान करने नदी के किनारे गए। **(ख)** करुणावान ऋषि क्रौच पक्षी को देखकर द्रवित हो गए। **(ग)** वाल्मीकि ने श्लोकबद्ध रमणीय रामायण कथा लिखी। **(घ)** ब्रह्मा ने आकाशवाणी द्वारा रामचरित वर्णन करने के लिए ऋषि को आदेश दिया। ये कवि आदिकवि कहलाते हैं।

7. वारौ बालकौ

1. **(क)** रामचन्द्रः अयोध्यायां राज्यम् अकरोत्। **(ख)** कुशलवौ वाल्मीकेः आश्रमे अवसताम्। **(ग)** सेनायाः रक्षकः लक्ष्मणपुत्रः चन्द्रकेतुः आसीत्। **(घ)** कुशलवौ युद्धे कौशलेन चन्द्रकेतुम् अजयताम्। **(ङ)** रामः कुशलवौ अकथयत् यत् ''भो वीरौ! अश्वं शीघ्रं मुचयताम्'' इति।

2. **(क)** अभवताम् **(ख)** अपश्यताम् **(ग)** अनयताम् **(घ)** कौशलेन **(ङ)** अगच्छत् **(च)** करणीयम्।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** आश्रमे अनेके मुनयः विद्यार्थिनश्च निवसन्ति। **(ख)** श्रीरामस्य द्वौ सुतौ आस्ताम्-कुशलवौ। **(ग)** अश्वोऽयं शीघ्रं मोचनीयः। **(घ)** युवयोः पराक्रमेण अहम् अतीव

प्रसन्नोऽस्मि। **(ङ)** तौ चन्द्रकेतुं कौशलेन अजयताम्। **(च)** आवां युद्धाय प्रस्तुतौ स्वः। **(छ)** अहमस्य अश्वस्य रक्षकः अस्मि।

4. **(क)** तौ वने अवसताम्। **(ख)** बालकौ अश्वम् अनयताम्। **(ग)** रामचन्द्रः अयोध्यायाम् राज्यम् अकरोत्। **(घ)** कुशलवौ कौशलेन चन्द्रकेतुम् अजयताम्। **(ङ)** आवां युद्धाय प्रस्तुतौ स्वः। **(च)** वत्सौ! अयं युवयोः युवाभ्यां जनकः।

5. **(क)** × **(ख)** × **(ग)** ✓ **(घ)** × **(ङ)** ×

6. **(क)** पुराणः **(ख)** आत्मजः **(ग)** घोटकः **(घ)** पिता **(ङ)** समयः

अनुवाद कौशल

7. जब कुश-लव ने उस घोड़े को देखा, तब वे दोनों उसे आश्रम ले गए। घोड़े के रक्षक लक्ष्मण-पुत्र चंद्रकेतु थे। वे सेना के साथ आश्रम गए और बोले, ''हे बालको! घोड़े को शीघ्र छोड़ो अन्यथा युद्ध करो।''

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. वर्षाऋतुः

1. **(क)** ग्रीष्मानन्तरं वर्षा ऋतुः आगच्छति। **(ख)** भारते षड् ऋतवः भवन्ति। **(ग)** भेकवृन्दाः वर्षापूर्वात् शुष्कसरसि कोटरशायिनः भवन्ति। **(घ)** सौदामिनी नीलमेघेषु दीप्यते। **(ङ)** मुदिताः कृषिवलाः कृषिकार्याणि कुर्वन्ति; तद्यथा- क्षेत्राणि कर्षन्ति, बीजानि वपन्ति, धान्या राणि च रोपयन्ति।

2. **(क)** नीचैर्गच्छत्युपरि **(ख)** वर्षाऋतुः **(ग)** विरताः **(घ)** चेतनाचेतनाश्च **(ङ)** दोलामारुह्य, गीतिम् **(च)** करणीयम्।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** त्वं कुत्र गच्छसि। **(ख)** यूयं पत्राणि लिखथः। **(ग)** सः कार्यं करिष्यति। **(घ)** अद्य वर्षा भविष्यति। **(ङ)** सा ग्रामम् अगच्छत्। **(च)** सः गृहम् अगच्छत्।

4. **(क)** बादल – व्योमे नीलपयोधराः दरीदृश्यन्ते। **(ख)** रस से पूर्ण – पण्डितेन श्राविताः कथाः अतीव सरसाः ज्ञानप्रदाश्च आसन्। **(ग)** बरसते है – वर्षाकाले तु मेघाः वर्षन्ति एव। **(घ)** बगुलों की पंक्ति – जलपूरिते क्षेत्रे बलकापतिः स्थिता अस्ति। **(ङ)** पेड़-झाड़ी आदि को – ग्रीष्मतप्तान् तरूरू गुल्मादीन् वर्षा सन्तोषयति।

5. **(क)** गोपालः जलेन मुखं प्रक्षालयति। **(ख)** सेवकः स्कन्धाभ्यां भारं वहति। **(ग)** शशिना सह कौमुदी याति। **(घ)** कुम्भकारः दण्डेन चक्रं चालयति। **(ङ)** स्वर्णकारः स्वर्णेन अलङ्कारान् निर्मापयति।

अनुवाद कौशल

6. **(क)** गगने सौदामिनी दीप्यते। **(ख)** ग्रीष्मर्तौ सूर्यः आकाशे तपति। **(ग)** दोलामारुह्य र्थियंः कजलीं गायन्ति। **(घ)** नदीषु वृष्टिः भूते सति प्रतीयते आयाति यौवनम्। **(ङ)** वर्षर्तौ परितः पङ्कः दृश्यते।

7. **(क)** इस प्रकार कालक्रम से गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आती है। **(ख)** वर्षाकाल बहुत सुंदर होता है। **(ग)** बादल शूरवीरों की तरह गरजते हैं। **(घ)** इस ऋतु में सभी किसान प्रसन्न होते हैं। **(ङ)** वर्षा सभी को अच्छी लगती है।

9. मूढाः बालकाः

1. **(क)** स्नानाय दश बालकाः नदीम् अगच्छन्। **(ख)** बालकाः निर्मले शीतले च जले चिरं स्नानम् अकुर्वन्। **(ग)** 'अपि सर्वे समागताः' दलप्रमुखः अपृच्छत्। **(घ)** दुःखितान् बालकान् दृष्ट्वा पथिकः अपृच्छत् यत् यूयं कथं दुःखिताः स्थ। **(ङ)** 'एकः नद्यां निमज्जितः' इति दलप्रमुखः अकथयत्। **(च)** 'दशमः त्वमसि' इति पथिकः अकथयत्।

2. **(क)** नदीम् **(ख)** निमज्जितः **(ग)** तान् **(घ)** सप्ततिः

व्याकरण कौशल

3. **(क)** बहिः + निर्गताः **(ख)** अन्ये + अपि **(ग)** प्रति + अवदत् **(घ)** नव + एव **(ङ)** ततः + अग्रे

4. **(क)** अस्याः नद्याः जलं निर्मलं शीतलं च अस्ति। **(ख)** अहं तान् पशून् गणयित्वा अधुनैव आगच्छामि। **(ग)** खलः आत्मनः दुर्गुणान् न कदापि पश्यति। **(घ)** तस्य दुःखम् अतीव कष्टप्रदम् अस्ति। **(ङ)** पथिकः तान् अन्याः स याः बोधयति।

5. **(क)** (iii), **(ख)** (v), **(ग)** (iv), **(घ)** (i) **(ङ)** (ii)

अनुवाद कौशल

6. **(क)** एकदा दश बालकाः नद्यां स्नानाय अगच्छन्। **(ख)** सर्वे चिरं स्नानं अकुर्वन्। **(ग)** तदैव तत्र कश्चित् साधु आगच्छत्। **(घ)** स यायां दश प्राप्य ते अति प्रसन्नाः अभवन्।

10. यज्ञप्रिय-कथा

1. **(क)** यजमानानां गृहं गत्वा यज्ञादिकं करणं देवदत्तस्य दिनचर्या आसीत्। **(ख)** देवदत्तः अन्यं ग्रामं गतः। **(ग)** देवदत्तस्य गमनसमये माता आह यत् एकाकी मा व्रज। **(घ)** मातुः वचनं श्रुत्वा देवदत्तः अवोचयत् यत् भयं मा कुरु। मार्गे भयं नास्ति। **(ङ)** सर्पः कुक्कुरेण हतः।

2. **(क)** कुक्कुरं; आह **(ख)** प्रातःकालस्य **(ग)** एकाकिनः **(घ)** ब्राह्मणः चेतनां **(ङ)** सर्पं; देवदत्तः

3. **(क)** देवदत्तः ईश्वरभक्तः निर्धनः चासीत्। **(ख)** पाण्डित्यकर्म तस्य जीविका आसीत्। **(ग)** यदि त्वं गन्तुम् इच्छसि तर्हि एनं कुक्कुरं नीत्वा गच्छ। **(घ)** मार्गे भगवद्दिवाकरः स्वातापं प्रसार्य घर्मः करोति स्म। **(ङ)** निद्रावस्थया निवृत्य सः चेतनां प्राप्तः। **(च)** तत्र गत्वा स्वकीयं कार्यं कृत्वा पुनः स्वग्रामं प्रत्यावर्तत्।

व्याकरण कौशल

4. **(क)** सर्पः **(ख)** श्वानः **(ग)** व्रिपः **(घ)** अम्बा **(ङ)** अकथयत्
5. **(क)** धनिकः **(ख)** मृत्युः **(ग)** जाग्रतः **(घ)** अमृतम्
6. **(क)** नपुंसकलिङ्गम् – चतुर्थी – एकवचनम् **(ख)** पुंल्लिङ्गम् – सप्तमी – एकवचनम् **(ग)** पुंल्लिङ्गम् – द्वितीया – द्विवचनम् **(घ)** पुंल्लिङ्गम् – षष्ठी – बहुवचनम् **(ङ)** स्त्रीलिङ्गम् – चतुर्थी – एकवचनम् **(छ)** नपुंसकलिङ्गम् – तृतीया – एकवचनम्

अनुवाद कौशल

7. **(क)** कस्मिंश्चित् कार्याय यज्ञप्रियः ग्रामात् प्रस्थितः। **(ख)** वयं कदापि एकाकी गृहात् बहिः न गच्छेम। **(ग)** कुक्कुरेण सह देवदत्तः स्वलक्ष्यं प्रति प्रस्थितः। **(घ)** सुप्तं देवदत्तं दृष्ट्वा कुक्कुरः अचिन्तयत्। **(ङ)** कुक्कुरः सर्पम् अहनत्।

11. दीपावली

1. **(क)** दीपावली उत्सवः कार्तिकमासस्य अमावस्यातिथौ भवति। **(ख)** जनाः दीपान् प्रज्वाल्य गृहेषु, द्वारेषु मन्दिरेषु च स्थापयन्ति। **(ग)** अस्मिन् दिने श्री गणेशेन सह देव्याः लक्ष्म्याः पूजनं क्रियते। **(घ)** जनाः मिष्टान्नं स्व मित्रेभ्यः वन्धवेभ्यश्च प्रेषयन्ति। **(ङ)** वयम् अविद्यान्धकारं विनाश्य स्व जीवने ज्ञानस्य प्रकाशं कुर्म इति अस्य उत्सवस्य सन्देशः।
2. **(क)** उत्सवानां पर्वणां **(ख)** कार्तिकमासस्य **(ग)** पूजनं **(घ)** नववधूरिव **(ङ)** गोवर्धनपूजा

व्याकरण कौशल

3. **(क)** महा + उत्सवेषु **(ख)** अविद्या + अन्धकारम् **(ग)** सूर्य + उदयः **(घ)** हर्ष + उल्लासम् **(ङ)** सागर + मध्यात् **(च)** पितुः + आज्ञा
4. **(क)** देशो ऽयं भारतः उत्सवानां देशः कथ्यते। **(ख)** महर्षिः धौम्यः आरूणिः केदाराखण्डं बद्धुम् आज्ञा ददाति। **(ग)** सिंहात् विमुक्ता धेनुः स्व वत्स समीपमागच्छत्। **(घ)** वीथिकायां दीपकमेकं प्रज्वाल्य स्थापयतु।
5. **(क)** (ii), **(ख)** (iv), **(ग)** (i), **(घ)** (iii)

अनुवाद कौशल

6. **(क)** अस्माकं भारतवर्षः पर्वणां देशोऽस्ति। **(ख)** दीपावली वर्ष अन्धकारस्योपरि प्रकाशस्य विजयस्य प्रतीकम् अस्ति। **(ग)** दीपावली पर्व कार्तिकमासस्य अमावस्यायां भवति। **(घ)** अस्मिन् दिने भगवान् श्रीरामः रावणम् अहनत्।

12. सङ्घे शक्तिः

1. **(क)** दाक्षिणात्ये जनपदे महिलारोप्यं नाम नगरमासीत्। **(ख)** वटवृक्षशाखायां लघुपतनको नाम्नः काकः प्रतिवसति स्म। **(ग)** व्याधः पक्षिणो निग्रहीतुं जालं प्रसार्य तस्योपरि तण्डुलान् अक्षिपत्। **(घ)** चित्रग्रीव : जिह्वालौल्यात् तण्डुलभक्षणार्थम् अवतरिते जालबद्धोऽभवत्। **(ङ)** पक्षिणः जालमादाय सामूहिकबलेन आकाशे उद्पतन्।
2. **(क)** वटवृक्षः **(ख)** व्याधः **(ग)** जालमादाय **(घ)** पाशच्छेदं **(ङ)** बुद्धया सङ्घबलेन

व्याकरण कौशल

3. **(क)** अस्मिन् जनपदे वानराणाम् आतङ्कः जनान् त्रासयति। **(ख)** व्याधः जालहस्तं तस्मिन् पक्षे एव याति। **(ग)** भोः! एतान् विषमिव परित्यजथ, अन्यथा बहु हानिः भविष्यति। **(घ)** जालमध्ये उभौ मत्स्यौ आगतौ। **(ङ)** जालमादाय सहैव उद्पतथ।
4. **(क)** (iii), **(ख)** (v), **(ग)** (ii), **(घ)** (i), **(ङ)** (iv)

अनुवाद कौशल

5. **(क)** वृक्षस्य शाखायाम् एकः काकः वसति स्म। **(ख)** व्याधं दृष्ट्वा काकः खगान् सावधानम् अकरोत्। **(ग)** व्याधः जालस्योपरि तण्डुलान् प्राक्षिपत्। **(घ)** सर्वे खगाः जालमादाय उद्पतन्। **(ङ)** हिरयण्कः चित्रग्रीवस्य मित्रम् आसीत्। **(च)** हिरण्यकः जालं दन्तेन अकृन्तत्।

13. अर्थकरी विद्या

1. **(क)** जीवलोकस्य षड् सुखानि सन्ति; तद्यथा-नित्यं धनागमम्, प्रियाप्रियवादिनी च भार्या, आज्ञाकारी पुत्रः, अर्थकरी विद्या इति। **(ख)** द्वितीये श्लोके विद्यायाः विषये उक्तं यत् एषा तादृशं धनमस्ति यं न तु चौराः चोरयितुं शक्नुवन्ति, न राजानः हर्तुं शक्नुवन्ति, न भ्रातरः, विभक्तुं शक्नुवन्ति न च भारस्वरूपम् अस्ति। एतद् विद्यारूपी धनं सर्वधनं प्रधानमस्ति। **(ग)** विद्या दिक्षुः कीर्तिं वितनोति। **(घ)** नक्षत्राणां भूषणं चन्द्रः। **(ङ)** पतिः नारीणां भूषणम्।
2. **(क)** सुखानि **(ख)** सर्वधनं **(ग)** चाभिरमयत्यपनीय खेदम् **(घ)** सर्वस्य **(ङ)** धनहीनजीवनम् **(च)** विद्या ह्यकाले फलदायिनी।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** (iii), **(ख)** (vi), **(ग)** (v), **(घ)** (i), **(ङ)** (iv), **(च)** (ii)

4. **(क)** सैव विद्या या अर्थकरी इति। **(ख)** भार्या प्रिया प्रियवादिनी च स्यात्। **(ग)** परोपकारेण जनः कीर्तिं प्राप्नोति। **(घ)** चन्द्रः शीतलतायाः परिचायकः अस्ति। **(ङ)** धनहीनः धनिकानां मध्ये प्रायः हीन भावनया अवलोक्यते।

5. **(क)** प्रिय (मधुर) बोलने वाली **(ख)** धन अथवा लाभ प्रदान करने वाली **(ग)** वृक्षों का घर **(घ)** भाइयों द्वारा बाँटने योग्य **(ङ)** परदेश में **(च)** मरे हुए का

6. **(क)** धनम् वित्तम् द्रव्यम्

   (ख) पत्नी कान्ता सहधर्मिणी

   (ग) अरण्यम् काननम् विपिनम्

   (घ) तरुः शाखिन् विटप्

अनुवाद कौशल

7. माता के समान रक्षा करती है, पिता की तरह हितकारी कार्यों में लगाती है और पत्नी की तरह रमण करती हुई दुख को दूर करती है, कल्पलता के समान यह विद्या क्या-क्या नहीं करती है अर्थात् विद्या द्वारा मनुष्य अभीष्ट की प्राप्ति करता है।

14. महात्मा गान्धिः

1. **(क)** गान्धिमहोदयस्य जन्म अक्टूबरमासस्य द्वितीये दिनाङ्के 1869 तमे ईस्वीये वर्षे काठियावाडस्य पोरबन्दराख्ये स्थाने अभवत्। **(ख)** अध्ययनार्थं सः आ लदेशम् अगच्छत्। **(ग)** अस्माकं देशे महात्मा बुद्धः, स्वामी रामकृष्ण परमहंसः, विवेकानन्द, दयानन्द सरस्वती इत्यादयः महापुरुषाः अभवन्। **(घ)** गान्धिमहोदयस्य आद्यं नाम मोहनदासकरमचन्द गान्धि आसीत्। **(ङ)** स्वदेशे आगत्य सः स्वतन्त्रतायै प्रयत्नम् अकरोत्। **(च)** अस्य महोदयस्य विषये इत्येषा उक्तिः चरितार्था भवति यत् यथा प्रत्येकस्मिन् पर्वते माणिक्यम्, प्रत्येके पर्वते मौक्तिकम्, प्रत्येके वने चन्दनं न लभते, तथैव साधवोऽपि सर्वत्र न लभन्ते।

2. **(क)** अनेके महापुरुषाः **(ख)** आद्यं नाम मोहनदास करमचन्द गान्धिः **(ग)** आङ्ग्लदेशम् **(घ)** एनं स्नेहेन 'बापू' इति **(ङ)** सरलम् **(च)** प्रयत्नैः ; स्वाधीनः

व्याकरण कौशल

3. **(क)** प्राचीनकाले जनाः यात्रां शकटादिभिः कुर्वन्ति स्म। **(ख)** वैभवः अध्ययनार्थम् आश्रमम् अगच्छत्। **(ग)** 15 अगस्त, 1947 तमे वर्षे भारतदेशः स्वाधीनः अभवत्। **(घ)** अयं महाभागः स्वभावेन उदात्तः अस्ति। **(ङ)** कतिपयवर्षपूर्वं भारतदेशः परतन्त्रः आसीत्।

4. **(क)** (iv), **(ख)** (v), **(ग)** (ii), **(घ)** (i), **(ङ)** (iii)

अनुवाद कौशल

5. **(क)** अस्माकं देशे अनेके महापुरुषाः अभवन्। **(ख)** महात्मनः गान्धिनः नाम विश्वे प्रसिद्धः अस्ति। **(ग)** अधुना भारतवर्षः स्वाधीनः अस्ति। **(घ)** भारते वैदेशिकाः बहु अत्याचारम् अकुर्वन्। **(ङ)** वयं सर्वे एनं प्रेम्णा 'बापू' इति कथयामः।

6. ''प्रत्येक पर्वत पर मणि नहीं होती, प्रत्येक हाथी में मोती नहीं होता, प्रत्येक वन में चंदन नहीं होता, ऐसे ही सभी जगह साधु (सज्जन) नहीं होते।''

15. सुभाषितानि

1. **(क)** अगाधजलसञ्चारी रोहितः गर्वं नायाति। **(ख)** नहि, स्वभावः उपदेशेन अन्यथा कर्तुं न शक्यते। **(ग)** पिपीलिकार्जितं धान्यम्, मक्षिकासचितं मधु लुब्धेन च सचितं धनं समूलं नश्यति। **(घ)** सर्पः कालेन दशति। **(ङ)** दुर्जनः सर्पात् अतः क्रूरतरः भवति यतोहि सर्पस्तु कालेन दशति परं सः पदे पदे दशति।

2. **(क)** (iv), **(ख)** (iii), **(ग)** (i), **(घ)** (ii)

3. **(क)** शफरी कथं फर्फरायते? **(ख)** किं पुनः शीततां गच्छति? **(ग)** पिलीलिका किम् अर्जयति? **(घ)** खलः कस्मात् क्रूरतरः भवति?

व्याकरण कौशल

4. **(क)** वारि **(ख)** खलः **(ग)** वित्तम् **(घ)** समाप्तः **(ङ)** पदार्थम् **(च)** प्राज्ञः

5. **(क)** दुर्जनः **(ख)** उष्णम् **(ग)** श्वः **(घ)** विद्वान् **(ङ)** अक्रूरः **(च)** मधुरम्

अनुवाद कौशल

6. चींटियों द्वारा इकट्ठा किया गया धान आदि, मधुमक्खियों द्वारा संचित मधु (शहद) और लोभी व्यक्ति द्वारा संचित धनादि, जड़ सहित नष्ट हो जाता है।

संस्कृत–8

1. वन्दना

1. **(क)** साक्षात् परमब्रह्म गुरूः अस्ति। **(ख)** हे प्रभु! मम जीवनभपि सूर्यचन्द्र इव भयरंहित कुरू येन अहं निर्भयो भूय सत्कार्याणि कुर्वन स्व जीवनं यापयेयम्। **(ग)** सर्वव्यापकाय, सर्वज्ञाय, सर्वशक्तिमते, सुन्दरतमाय

देवेशाय च जगदीश्वराय नमः। **(घ)** हे प्रभु! त्वम् आदिदेव प्रथम पुरुषश्च असि, त्वमेव विश्वस्य निधानमसि, वेत्तासि, वेद्यं परं धामः च असि, त्वयैव विश्वे अनन्तरूपाणि दृश्यन्ते। तुभ्यं नमः इति।

2. **(क)** परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे **(ख)** मे प्राण **(ग)** मा सद्गमय तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा **(घ)** पुरुषः पुराणः त्वमस्य विश्वस्य परं

3. **(क)** (iii), **(ख)** (iv), **(ग)** (v), **(घ)** (i), **(ङ)** (ii)

व्याकरण कौशल

4. **(क)** ज्योतिः + गमय **(ख)** महा + ईश्वरः **(ग)** नमः + ते **(घ)** त्वम् + आदिदेवः **(ङ)** वेत्ता + असि

5. **(क)** प्रकाश – भारते वेदज्योतिः प्रज्वालय इति मे गुरुदक्षिणा। **(ख)** तुम्हें नमस्कार है – नमस्ते जगदीश्वराय! **(ग)** पुराना – ईश्वर एव सर्वपुराणः अस्ति। **(घ)** सब जानने वाला – ज्योतिषाचार्योऽयं सर्वज्ञः अस्ति। **(ङ)** जानने योग्य – भोः जनाः! ज्ञापयत कः वेद्यम्?

अनुवाद कौशल

6. हे प्रभु! मुझे असत् (बुराई) से सत् (अच्छाई) की ओर ले चलो, मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

   तुम ही आदिदेव हो, प्रथम पुरुष हो, तुम इस विश्व के सबसे बड़े भंडार हो, संपूर्ण सृष्टि के ज्ञाता हो और जानने योग्य हो परम धाम हो, तुम्हारे द्वारा ही विश्व अनंत रूपों से व्याप्त है। तुम्हें नमस्कार है।

2. चरकः

1. **(क)** आद्यं धर्मसाधनं शरीरम् अस्ति। **(ख)** चिकित्साशास्त्रे चरक संहिता इति ग्रन्थः श्रेष्ठतमः। **(ग)** इन्द्रियाणि पञ्च सन्ति। **(घ)** शरीरस्य त्रयः दोषा; तद्यथा वातः, पित्तः कफः इति। **(ङ)** आहार-आचार विषये संयमः कर्तव्यः। **(च)** शरीरस्य दोषाणाम् असन्तुलितः प्रमाणः रोगं जनयति। **(छ)** अजीर्णे भोजनं विषम्।

2. **(क)** धर्मसाधनम् **(ख)** चरकसंहिता; प्राचीनतमः **(ग)** हि देहः। **(घ)** विषम्। **(ङ)** मनः शरीरं

3. **(क)** अशुद्धम् **(ख)** अशुद्धम् **(ग)** शुद्धम् **(घ)** शुद्धम् **(ङ)** शुद्धम्

व्याकरण कौशल

4. **(क)** कं बिना जीवनयात्रा न भवितुमर्हति? **(ख)** रुग्णाय किं दीयते? **(ग)** स्वस्थः भवितुं का अपि अपेक्षिता भवति? **(घ)** कस्मिन् केषां च प्रमाणे विषमे जाते रोगाः जायन्ते? **(ङ)** किम् अपहर्तुम् औषधम् दीयते?

5. **(क)** (iv), **(ख)** (v), **(ग)** (i), **(घ)** (iii), **(ङ)** (ii)

6. **(क)** हितकारी मनोहरी दुर्लभं वचः इति सर्वथा उपपन्नम्। **(ख)** चरकसंहिता इति ग्रन्थः श्रेष्ठतमः अस्ति। **(ग)** अस्मै रुग्णाय शीघ्रम् औषधं ददातु। **(घ)** शरीरे दोषाणां समतोलनं रोगस्य उपचारः इति। **(ङ)** सताम् आचारः सदाचारः कथ्यते।

अनुवाद कौशल

7. **(क)** स्वस्थ शरीर के बिना जीवन की यात्रा नहीं हो सकती है। **(ख)** इंद्रियों को वश में रखना स्वस्थ आचारण है। **(ग)** अपच (कब्ज) में भोजन विष है। **(घ)** स्वास्थ्य की रक्षा के लिए व्यायाम अत्यावश्यक है।

3. मातृस्वरूपा 'गोमाता'

1. **(क)** धेनुः मातृवत् रक्षति पालयति च। **(ख)** धेनोः श्वेता, कपिला, कृष्णा, पीता कबुर्राचेति वर्णाः भवन्ति। **(ग)** गोजातानां बलीवर्दानां कृपया जनाः प्रतिदिनं पायसघृतादिभिः निर्मितैः अनेकविधानां मिष्टानानां रसास्वादनम् अनुभवन्ति। **(घ)** गवां सेवाया लौकिकः श्रेयः लभते इति इतिहासे प्रमाणं विद्यते। **(ङ)** गोपालकः श्रीकृष्णः धेनोः विषये वदति यत् गावः मम अग्रे सन्तु, पृष्ठे सन्तु, सर्वत्र सन्तु, अहं गवां मध्ये वसामि।

2. **(क)** आयुर्वेदशास्त्रेषु; गोदुग्धस्यैवोपयोगः

   (ख) रघुवंशावतंसो; गोसेवया एव **(ग)** संस्कृतौ **(घ)** गोरक्षकेभ्यः; गोघातकेभ्योऽपि **(ङ)** क्वचिदपि; कुमाता

3. **(क)** स्त्रीलिङ्गम् – प्रथमा – एकवचनम्

   (ख) पुंल्लिङ्गम् – प्रथमा – बहुवचनम्

   (ग) नपुंसकलिङ्गम् – तृतीया – बहुवचनम्

   (घ) स्त्रीलिङ्गम् – तृतीया – बहुवचनम्

   (ङ) स्त्रीलिङ्गम् – पञ्चमी, षष्ठी – एकवचनम्

4. **(क)** धेनुः + अपि **(ख)** तथा + एव **(ग)** बल + वर्धकम् **(घ)** एव + अत्र **(ङ)** रस + आस्वादनम्

5. **(क)** क्वचिदपि माता कुमाता न भवेत्। **(ख)** पुनश्च सः न प्रत्यावर्तत्। **(ग)** गोजातानां बलीवर्दनां साहारयेण कृषकाः क्षेत्राणि कर्षन्ति। **(घ)** बलीवर्दाः बहुषु कार्येषु उपयुज्यन्ते। **(ङ)** गावः विश्वस्य नातरः।

4. परोपकारी वृक्षाः

1. **(क)** मृगः वृक्षस्य छायायां सुप्तः। **(ख)** शकुन्तनिवहैः विष्वग् वृक्षच्छदाः विलुप्ताः। **(ग)** कोटरः कीटैः आवृतः। **(घ)** परोपकारी वृक्षः सर्वप्रकारेण लोकानां जीवजन्तूनां च हितं करोति अतः एषः श्लाघ्यः अस्ति। **(ङ)** भ्रमराः वृक्षकुसुमानां रसं पिबन्ति। **(च)** वृक्षः परोपकाराय फलन्ति।

2. **(क)** स्कन्धे **(ख)** मधुपैः **(ग)** मृगः **(घ)** शरीरम् **(ङ)** फलन्ति

व्याकरण कौशल

3. अपने कक्षाध्यापक की सहायता से विद्यार्थी स्वयं करें।

4. **(क)** खगः **(ख)** वानरः **(ग)** भ्रमरः **(घ)** वृक्षः **(ङ)** विश्वम् **(च)** पुष्पम्

5. **(क)** कीटैः + आवृतः **(ख)** प्रकृति + अपि **(ग)** तस्य + एव **(घ)** नम्राः + तरवः **(ङ)** फल + उद्गमैः **(च)** एष + एव

अनुवाद कौशल

6. **(क)** समाजसेवायाः भावना परोपकारे भवति। **(ख)** वृक्षाः परोपकारं कुर्वन्ति। **(ग)** वयं स्वकर्तव्यं पालयेम। **(घ)** प्रकृतिः परोपकाराय जीवति। **(ङ)** वयं परोपकारं कुर्याम।

7. **(क)** वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं, गायें परोपकार के लिए दूध देती हैं, यह शरीर परोपकार के लिए है।

(ख) वृक्ष फल आने पर नम्र हो जाते हैं, झुक जाते हैं, नव जल से होकर बादल लटक जाते हैं अर्थात् बरस जाते हैं, सत्पुरुष समृद्ध होने पर विनम्र हो जाते हैं, परोपकारियों का यही स्वभाव है।

(ग) जिसकी छाया में मृग सोते हैं, पक्षियों के समूह से व्याप्त जिसकी छत विलुप्त हो जाती है, जिसका कोटर (खोखला) कीड़ों-मकोड़ों से घिरा हुआ है, जिसकी शाखा का आश्रय लेकर बंदरों का समूह रहता है, जिसके फूलों का रस मुधमक्खियाँ निर्भय होकर पीती हैं, इस पृथ्वी पर जो सब रूपों में सुख देने वाला है, ऐसा ही पेड़-प्रशंनीय है।

5. लोकमान्यः तिलकः

1. **(क)** तिलकस्य जन्म महाराष्ट्र राज्यस्य चिरबल नामके ग्रामे अभवत्। **(ख)** तिलकस्य बाल्यकालः कष्टकारकः आसीत्। **(ग)** 'स्वराज्यः अस्माकं जन्मसिद्धः अधिकारः इति सः अस्मान् पाठम् आपाठयत्। **(घ)** तिलकस्य जनकः रामचन्द्र गङ्गाधर राव आसीत्। **(ङ)** यदा वैदेशिकानाम् भयेन कोऽपि स्वतन्त्रतायाः शब्दोच्चारणम् अपि न अकरोत् तदा तिलकः निर्भीक भावेन स्वविचारान् प्रकाशयत्।

2. **(क)** अद्भुतः पण्डितः **(ख)** प्रकाशयत् **(ग)** जननी दिवंगता **(घ)** परिश्रमेण **(ङ)** सुशीला ईशभक्ता च

3. **(क)** (iii), **(ख)** (iv), **(ग)** (i), **(घ)** (v), **(ङ)** (ii)

4. **(क)** × **(ख)** × **(ग)** ✓ **(घ)** ✓ **(ङ)** ✓

व्याकरण कौशल

5. **(क)** सदा राष्ट्रस्य हिताय एव चिन्तयत। **(ख)** तस्य बालकाले एव सा दिवंगता। **(ग)** तिलकस्य माता सुशीला ईशभक्ता च आसीत्। **(घ)** तिलकः संस्कृतस्य अद्भुतः पण्डितः आसीत्। **(ङ)** भरतः बाल्यात् एव निर्भीकः आसीत्।

6. **(क)** ईश + भक्ता **(ख)** राष्ट्र + सेवायाम् **(ग)** अनु + अभवत् **(घ)** शब्द + उच्चारणम्

अनुवाद कौशल

7. **(क)** तिलकः राष्ट्रस्य वस्तुतः तिलकः आसीत्। **(ख)** तिलकस्य जन्म चिरबलनामके ग्रामे अभवत्। **(ग)** तिलक स्व शैशवः काठिन्येन अयापयत्। **(घ)** सः राष्ट्रसेवायां अतितत्परतया संलग्नः आसीत्। **(ङ)** स्वतन्त्रता अस्माकं जन्मसिद्धः अधिकारः अस्ति। **(च)** सः अनेकशः कारागारम् अपि अगच्छत्।

6. सत्सङ्गतेः महिमा

1. **(क)** सत्सठतिः वाचि सत्यतां सिञ्चति। **(ख)** संसारे सद्भिः सह सठतिं कुर्वीत। **(ग)** साधूनां समागमः फलति। **(घ)** पापं तापं तथा दैन्यं सज्जनानां सठः हन्ति। **(ङ)** महाजनानां संसर्गः उन्नतिकारकः।

2. **(क)** साधूनां दर्शनं पुण्यं तीर्थभूता हि साधवः।

तीर्थं फलति कालेन सद्यः साधुसमागमः।।

(ख) गठा पापं शशी तापं दैन्यं कल्पतरुस्तथा।

पापं तापं च दैन्यं च हन्ति सज्जनसठमः।।

(ग) महाजनस्य संसर्गः कस्य नोन्नतिकारकः।

पद्मपत्रस्थितं वारि दत्ते मुक्ताफलाश्रियम्।।

(घ) संसार कटुवृक्षस्य द्वे फले ह्यमृतोपमे।

सुभाषितरसास्वादः सठतिः सुजने जने।।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** नोन्नति **(ख)** सद्भिरेव **(ग)** किचिदाचरेत् **(घ)** ह्यमृतोपमे

4. **(क)** जड़ता – सत्सठतिः जनानां जाड्यं हरति।

(ख) साथ – देवस्य सठतिः साधु नास्ति अतः सः एवम् आचरति।

(ग) प्रसन्न करती है – उपवनस्य शोभाः जनानां चित्तं प्रसादयति।

(घ) कल्पनारूपी वृक्ष – कल्पतरुः दीनतां हरति।

(ङ) आगे बढ़ना, ले जाना – कस्यापि जनस्य उन्नति सत्सठतिरेव कर्तुं शक्नोति।

5. **(क)** मेधाः **(ख)** यशः **(ग)** कलहः **(घ)** चन्द्रः **(ङ)** उदकम् **(च)** सुधा

6. **(क)** बुद्धत्वम् **(ख)** पुण्यः **(ग)** असाधु **(घ)** अवनतिः **(ङ)** मधुरः **(च)** विषम्

अनुवाद कौशल

7. **(क)** (सत्संगति) बुद्धि की जड़ता हरती है, वाणी में सत्यता को सींचती है, मान में उन्नति करती है, पाप (बुराई) को दूर करती है। मन को प्रसन्न करती है, कीर्ति को दिशाओं में फैलाती है। कहो, सत्संगति मनुष्यों का क्या नहीं करती है अर्थात् सत्संगति के द्वारा मनुष्य उत्तरोत्तर उन्नति करता है।

(ख) गंगा पाप को, चंद्रमा ताप को, तथा कल्पतरु अर्थात् कल्पनाओं का वृक्ष दीनता को नष्ट करता है किंतु सज्जनों का संगम पाप, ताप और दीनता तीनों को हरता है।

7. विद्यार्थी-जीवनम्

1. **(क)** मानवजीवनस्य स्वर्णकालं छात्रजीवनम् अस्ति। **(ख)** सर्वाणि सुखानि विहाय विद्याध्ययनमेव छात्रस्य कर्तव्यं भवेत्। **(ग)** विधार्थिनः जीवनस्य मुख्यः उद्देश्यः आत्मविकासः अस्ति। **(घ)** काकवत् चेष्टा, बकवत् ध्यानम्, श्वानवत् निद्रा, अल्पाहारी गृहत्यागी इत्येतानि विद्यार्थिनः पञ्चलक्षणानि सन्ति। **(ङ)** स्वकर्तव्यं पालयन् विद्यार्थी परमोन्नतिं प्राप्तुं शक्नोति।

2. **(क)** स्वर्णकालम् **(ख)** विद्याध्ययनं **(ग)** जीवनस्य; उद्देश्यः **(घ)** काकवत् **(ङ)** अधिकाहारेण

व्याकरण कौशल

3. **(क)** बनाना – छात्रजीवने एव मानवजीवनस्य निर्माणं भवति। **(ख)** हमेशा – प्रज्ञाः सदैव मधुराणि वचनानि वदति। **(ग)** अच्छा उपयोग – समयस्य सदा सदुपयोगः करणीयः। **(घ)** आलस्य – आलस्यं मनुष्यस्य शत्रुः अस्ति। **(ङ)** जीवन का – जीवनस्य मुख्यम् उद्देश्यम् आत्मविकासः स्यात्।

4. **(क)** अन्तिमम् **(ख)** दुःखानि **(ग)** दुरुपयोगः **(घ)** अधिकम् **(ङ)** मृत्युः **(च)** उष्णम्

5. **(क)** स्वर्ण + कालम् **(ख)** तेन + एव **(ग)** तस्य + आज्ञया **(घ)** दुर् + उपयोगः **(ङ)** परम + उन्नतिम्

अनुवाद कौशल

6. **(क)** छात्रजीवनं मनुष्यस्य स्वर्णकालः अस्ति। **(ख)** अध्ययनकालः तपस्याकालः अस्ति। **(ग)** समयस्य दुरुपयोगः कदापि न करणीयः। **(घ)** विद्यार्थी श्वानवत् निद्रास्थः भवेत्। **(ङ)** स्व कर्तव्यं पालयन् विद्यार्थी परमोन्नतिं प्राप्नोति।

8. सर्पः दर्दुरश्च

1. **(क)** जीवहरो नाम्नः सर्पः जीर्णोद्याने निवसति स्म। **(ख)** जीवहरं दृष्ट्वा केनचिद् मण्डूकेन पृष्टम् यत् किमिति अद्य? त्वम् आहारं नान्विष्यसि इति। **(ग)** स्वपुत्रं मृतम् अवलोक्य मूर्च्छितः कौण्डिन्यः पृथिव्यां लुलोट। **(घ)** यदा कौण्डिन्यः अब्रबीत्''तद् अलं गृहनरकवासेन तदा ब्रह्मदेवः अकथयत्- मूढोऽसि एवं प्रलपसि विलपसि च। यथा महादधौ काष्ठं च काष्ठं समेयातां व्यपेयातां च तद्वद् भूतसमागमः। तथा पञ्चभिः निर्मिते देहे पुनः पञ्चतत्वं गते का परिवेदना। आत्मानम् अनुसन्धेहि शोकचर्यां च परिहर''। **(ङ)** ''देव! आहारविहाराद् असमर्थोऽस्मि।'' इति सर्पः वदति।

2. **(क)** आहारमपि **(ख)** स्नातकोऽवदत्; प्रलपसि **(ग)** काष्ठं; समेयातां; भूतसमागमः **(घ)** मन्दगतिः **(ङ)** दर्दुरान्; महाप्रसादः

व्याकरण कौशल

3. **(क)** सः + अति **(ख)** वने + अति **(ग)** सर्प + अपि **(घ)** दर्दुरः + अधिपति **(ङ)** किम् + इति **(च)** महा + प्रसादः

4. **(क)** पुंल्लिङ्गम् – तृतीया – एकवचनम्

(ख) पुंल्लिङ्गम् – षष्ठी – बहुवचनम्

(ग) पुंल्लिङ्गम् – पञ्चमी – एकवचनम्

(घ) पुंल्लिङ्गम् – सम्बोधन – एकवचनम्

(ङ) नपुंसकलिङ्गम् – सप्तमी – एकवचनम्

5. **(क)** लगता है मम – मनः एतादृशेषु कर्मषु न प्रवर्तत।

(ख) सभी बंधु – सर्वे बान्धवाः तत्रागत्य उपविष्टाः।

(ग) हमारी आज्ञा से – अस्मदाज्ञया सर्वान् निर्धनान् धनादिकं यच्छतु।

(घ) बोला – मण्डूकः अवदत् यत् एष अर्तत्व दुर्बलः सर्पः।

(ङ) मेढ़कों को – एवं सः सर्वान् मण्डूकान् अभक्षयत्।

6. **(क)** आहारमपि **(ख)** सरस्तीरे **(ग)** दुर्दैवात् **(घ)** सर्पोऽवदत् **(ङ)** स्नातकोऽवदत्

अनुवाद कौशल

7. **(क)** कस्मिंश्चित् जीर्णोद्याने एकः विषधरः निवसति स्म। **(ख)** एकस्मिन् दिने एकः मण्डूक तस्य समीपम् आगच्छत्। **(ग)** सर्पः तं स्व कथाम् अश्रावयत्। **(घ)** क्रमशः सर्पः मण्डूकान् अभक्षयत्।

9. श्री लालबहादुर शास्त्री

1. **(क)** शास्त्रिणः जन्म एकस्मिन् कायस्थकुले अभवत्। **(ख)** शास्त्रिणः पितुर्नाम श्री हजारीलालः आसीत्।

(ग) तस्य मातुर्नाम श्रीमती राजदुलारी देवी आसीत्। **(घ)** शास्त्रिणः पालनं मातामहस्य अभवत्। **(ङ)** सः शास्त्री इति उपाधिम् अलभत। **(च)** यदा शान्तिस्थापनार्थं ताशकन्दनगरे आसीत् तदा तत्रैव शास्त्री महाभागः स्वर्गं गतः। **(छ)** शास्त्री महाभागः हरिश्चन्द्र विद्यालयस्य छात्रः आसीत्।

2. **(क)** भारतवर्षः **(ख)** 1904 **(ग)** अध्यापकः **(घ)** उत्तरप्रदेश राज्ये मुगलसराय **(ङ)** माहभागः कारागारे **(च)** सरलम्

व्याकरण कौशल

1. **(क)** देश का भक्त – भगतसिंहः महान् देशभक्तः आसीत्।

(ख) निडर – बालोऽयम् अतीव निर्भीकः प्रतीयते।

(ग) छोड़कर – अध्ययनं परित्यज्य शास्त्री महाभागः स्वातन्त्र्यसङ्ग्रामे सक्रियः अभवत्

(घ) युद्ध में – वीरवरः अभिमन्युः युद्धे अद्भुतं कौशलम् अदर्शयत्।

(ङ) निधन का – शार्धीमहाभगस्य निधनस्य समाचारं श्रुत्वा समे शोकमग्नाः अभवन्।

4. **(क)** भारतवर्षः एकः महान् देशः अस्ति। **(ख)** अस्य जन्म एकस्मिन् कायस्थे कुले अभवत्। **(ग)** अस्य पालनपोषणं मातामहगृहे अभवत्। **(घ)** शास्त्रिणा भारतपाकयोः युद्धे पाकस्य मर्दनं कृतम्। **(ङ)** अस्य निधनं ताशकन्दनगरे अभवत्।

5. **(क)** देश + भक्ताः **(ख)** प्रतिभा + संपन्नः **(ग)** अति + सरलम् **(घ)** शोक + सागरे **(ङ)** न + अस्ति **(च)** तथा + अपि

अनुवाद कौशल

5. **(क)** वयं भारतीयाः स्मः। **(ख)** अस्माकं देशे अनेके महापुरुषाः अभवन्। **(ग)** लालबहादुर शास्त्रिणः पालनपोषणम् अस्य मातामह गृहेऽभवत्।

10. सुभाषितानि

1. **(क)** चन्द्रचन्दनयोः मध्ये शीतला साधु च सठतिः। **(ख)** अधमाः धनम्, मध्यमाः धनं मानम् उत्तमाः च पुरुषाः केवलं मानम् इच्छन्ति। **(ग)** यस्मिन् देशे सम्मानः न भवति तर्हि तं देशं परिवर्जनी यम्। **(घ)** व्यवहारेण मित्राणि रिपवश्च जायन्ते। **(ङ)** दुर्जनः सर्वप्रकारेण हानिरेव करोति अतः सः परिहर्तव्यः। **(च)** सत्यं प्रियं वक्तव्यम्, अप्रियं सत्यम्अनृतं प्रियंच न वक्तव्यम्।

2. **(क)** प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।

तस्मात् तदैव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।।

(ख) न कश्चित् कस्यचित् मित्रं न कश्चित् कस्यचिद् रिपुः।

व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा।।

(ग) चन्दनं शीतलं लोके चन्दनादपि चन्द्रमा।

चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसठतिः।।

(घ) दुर्जनः परहिर्तव्यो विद्ययाऽल तोऽपि सन्।

मणिना भूषितो सर्पः किमसौ न भयङ्करः।।

व्याकरण कौशल

3. **(क)** व्यवहार से – व्यवहारेण एव मित्राणि रिपवश्च जायन्ते। **(ख)** चंदन – चंन्दनं शीतलतायाः परिचायकं भवति। **(ग)** बढ़ती हैं – अभिवादनशलस्य आयुर्विद्यादिकानि वर्धन्ते। **(घ)** साँप – सर्पः समयेन दशति परं दुर्जनाः पगे पगे। **(ङ)** प्रदान करने से – राज्ञा प्रदानेन धनेन विप्रः आशिषं यच्छन् गृहं प्रत्यागतः।

अनुवाद कौशल

4. **(क)** जिस देश में सम्मान नहीं, न प्रीति और न बंधु, न विद्वान, उस देश को छोड़ देना चाहिए।

(ख) निम्न लोग धन चाहते है, मध्यम लोग, धन और मान चाहते हैं, उत्तम लोग मान चाहते हैं, महान लोगों का मान ही धन होता है।

(ग) दुर्जन के साथ शत्रुता और स्नेह नहीं करना चाहिए। क्योंकि दहकता अंगारा हाथ जलाता है और ठंडा होने पर हाथ काला करता है।

5. **(क)** सतां सठतिः सर्वोत्तमा अस्ति। **(ख)** व्यवहारेण एव शत्रवः मित्राणि च जायन्ते। **(ग)** वसन्तकाले काकपिकयोः भेदं स्पष्टं भवति। **(घ)** दुर्जनानां सङ्गतिः अङ्गार इव भवति। **(ङ)** सर्वप्रियं वचनं वक्तव्यम्। **(च)** काकपिकौ कृष्णौ स्तः।

6. **(क)** सदा सत्य बोलना चाहिए। **(ख)** मधुर वाक्य बोलने से सभी प्राणी संतुष्ट होते हैं। **(ग)** जिस देश में सम्मान नहीं होता है वहाँ नहीं रहना चाहिए। **(घ)** विद्या से भूषित दुर्जन छोड़ देना चाहिए। **(ङ)** निम्न लोग केवल धन चाहते हैं। **(च)** इसलिए वही बोलना चाहिए। सेना बोलने में कंजूसी कैसी!

11. लुब्धः मानवः

1. **(क)** सरस्तीरे सिंहः हस्ते स्वर्णकङ्कणं धृत्वा पथिकान् च दर्शयित्वा तान् खादितुम् आकर्षयति स्म। **(ख)** लोभाकृष्टेन केनचित् पान्थेन आलोचितं यत् भाग्येन एतत् भवितु मर्हति परम् आत्मसन्देहे प्रवृत्तः न विधेय यतोहि अभीष्टे प्राप्तिेऽपि अनिष्टे भूते गति शुभा न भवति यतो हि विषसंसर्गात् अमृतमपि मृत्युकारकं भवति। **(ग)** सिंहः पान्थानं कथयति

यत् प्राक् अहं यौवनदशायामति दुर्वृत्तः आसम्। अनेकगोमानुषाणां वधान्मे पुत्राः दाराश्चमृताः । वंशहीनश्चाहम् अधुना। ततः केनचिद् धार्मिकेणाहमादिष्टः''दानधर्मादिकं चरतु भवान्।'' तदुपदेशादिदानीमहं स्नानशीलो दाता वृद्धो गलितनखदन्तो कथं न विश्वासयोग्यः? यथा मरुस्थले वृष्टिः यथा वा क्षुधार्त्तेः भोजनं सफलं भवति तथा यत् दानं दरिद्राय दीयते। तत् सफलं भवति। तदत्र सरसि स्नात्वा सुवर्णकङ्कणं गृहाण इति''। **(घ)** पान्थः महापङ्के निमग्नः अभवत्। **(ङ)** अन्ते पानथः सिंहेन व्यापादितः खादितश्च।

2. **(क)** स्नातः; सरस्तीरे **(ख)** मरुस्थले; क्षुधार्तेः **(ग)** सुवर्णकङ्कणं **(घ)** मारात्मके **(ङ)** विश्वासः

व्याकरण कौशल

1. **(क)** किसी – केनचित् बालकेन इमानि पुष्पाणि त्रोटितानि। **(ख)** भरोसा – मारात्मकेषु कदापि विश्वासः नैव कर्तव्यः। **(ग)** लालच से – लोभात् आकृष्ट सः स्वर्णकङ्कणं नेतुं प्रवृत्तः। **(घ)** धीरे-धीरे – शनैः शनैः कच्छपः स्व लक्ष्यं प्रति प्रस्थितः। **(ङ)** सोने का कंगन – रमायाः स्वर्णकङ्कणं मेलापके विलुप्त्। **(च)** करना चाहिए – कदापि केन सह दुर्वृत्तः न कर्तव्यः।

4. **(क)** प्र – बलम् **(ख)** अप – हरति **(ग)** अनु – गच्छति **(घ)** प्र – भावितः

5. **(क)** पान्थानः अवदन्। **(ख)** वृद्धाः व्याघ्राः कुशहस्ताः सरस्तीरे ब्रुवन्ते। **(ग)** हे पाण्डुनन्दन! तानि सफलानि भवन्ति। **(घ)** ते लोभात् सरिस स्नातुं प्रविशन्ति। **(ङ)** सिंहेन लुब्धाः मानवाः हताः।

6. **(क)** हाथ में कुश लिए **(ख)** लीजिए **(ग)** लोभ से आकृष्ट **(घ)** आदेश दिया **(ङ)** मरुस्थल में **(च)** दिया जाता है

अनुवाद कौशल

7. **(क)** अभीष्ट की प्राप्ति में भी अनिष्ट उत्पन्न होने से स्थिति अच्छी नहीं होती है, जहाँ विष का साथ हो वहाँ अमृत भी मृत्यु प्रदान कर सकता है।

   (ख) नदियों का, शस्त्रधारियों का, नाखून वालों का, सींग वालों का, स्त्रियों और राजपरिवारों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

12. स्वर्गप्राप्तेः रहस्यम्

1. **(क)** भगवान् विष्णुः इन्द्रयमराजौ स्वर्गनरकलोकस्य स्वामी कृतवान्। **(ख)** जनानां तत्र नागमनेन नरकः निष्क्रियः निस्तब्धः च जातः। **(ग)** यमराजः विष्णोः पार्श्वे गत्वा प्रार्थयत् यत् अहं स्वाधिकारं त्यक्तुम् इच्छामि, माम् अस्मात् भारात् मोचयतु। **(घ)** विष्णुः यमराजम् आश्वासयितुं प्रत्यवदत् यत् इदं तु सुखस्य विषयः यत् पृथ्वीलोके जनाः धार्मिकाः नैतिकगुणैः सम्पन्नाः च सन्ति, इत्यर्थं ते स्वर्गमेव आगच्छन्ति। **(ङ)** पृथ्वीलोकवासिनां स्वर्गप्राप्तेः रहस्यं ज्ञातुं लक्ष्मी विष्णुना सह पृथ्वीलोकमगच्छत्। **(च)** ते पृथ्वीलोके अपश्यन् यत् सर्वे जनाः स्वेषु स्वेषु कार्येषु निरताः सन्ति। नगरेषु, ग्रामेषु श्रमिकाः कृषकाः च कार्यरताः सन्ति। **(छ)** पृथ्वीलोकवासिनः नरकं गन्तुम् आरब्धाः अतः जाताः यतोहि तैः लक्ष्म्याः वैभगेन मुग्धो भूय श्रमं त्यक्तम्, परिणामस्वरूपं सुखसमृद्धयौ विलुप्ते सति सदाचारो नष्टोऽभवत् ते च भ्रष्टाचारणिः अभवन्। **(ज)** स्वर्गप्राप्तेः रहस्यं परिश्रमः इति।

2. **(क)** निष्क्रियतां; चिन्ताकुलः **(ख)** सन्तुष्य मौनम् **(ग)** विष्णुना; पृथ्वीलोकम् **(घ)** पृथ्वीलोके; कर्मषु **(ङ)** पृथ्वीवासिनः; वैभवेन

व्याकरण कौशल

3. **(क)** शुरू हो गए – हास्यव्य यं श्रुत्वा सर्वे दर्शकाः हसितुम् आरब्धाः। **(ख)** सुनसान – आश्रमः पूर्णतया निस्तब्धः आसीत्। **(ग)** आश्वस्त करने के लिए – कर्णः जनान् आश्वासयितुं बहु प्रायतत्। **(घ)** लगे हुए – सर्वे जनाः स्व स्व कार्येषु निरताः आसन्। **(ङ)** मुक्त करो – मोचयतु एनं खगम् इति राजा अकथयत्।

4. **(क)** तस्मात् + एव **(ख)** स्व + आधिपत्यम् **(ग)** मौनम् + अधारयत् **(घ)** समृद्धिः + च **(ङ)** सत् + आचारः

5. **(क)** आयानम् **(ख)** देवलोकः **(ग)** सुरः **(घ)** क्रियाहीनः **(ङ)** मर्त्यलोकः **(च)** मुदितः

6. **(क)** रात्रिः **(ग)** समाप्तः **(ख)** अधार्मिकः **(घ)** विरतः **(ङ)** दुःखितः **(च)** निष्क्रियः

अनुवाद कौशल

7. **(क)** स्वर्ग के अधिपति इंद्र थे। **(ख)** इस प्रकार स्वर्ग आनंदमय हो गया। **(ग)** यह सुनकर यमराज ने मौन धारण कर लिया। **(घ)** उसके बाद पृथ्वीलोकवासी भ्रष्टाचारी हो गए। **(ङ)** नगरों, गाँवों में श्रमिक और किसान काम में लगे हुए हैं।

8. स्वर्ग-प्राप्ति का रहस्य परिश्रम ही है। बिना परिश्रम किए हम सुख-सुविधाओं से पूर्ण जीवन कभी नहीं जी सकते हैं। आधिभौतिक रूप से हर सुविधा से पूर्ण जीवन ही स्वर्ग-प्राप्ति के समान है।